हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–265 : जौनपुर, शनिवार 29 जनवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

दो चरणों में होंगे विधान परिषद के स्थानीय निकाय क्षेत्र चुनाव, 3 मार्च को पहला और 7 को दूसरे चरण का मतदान

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 3 मार्च को 29 सीटों और दूसरे चरण में 7 मार्च को 6 सीटों के चुनाव के लिए मतदान होगा। दोनों चरणों केचुनाव की मतगणना 12 मार्च को होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को स्थानीय निकाय क्षेत्र की सीटों पर चुनाव कार्यक्रम घोषित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पहले चरण में 29 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 4 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 11 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 16 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 3 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में छह सीटों पर होने वाले चुनाव की अधिसूचना 10 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 17 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच

होगी और 21 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 7 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने बताया कि मथुरा–एटा–मैनपुरी स्थानीय निकाय क्षेत्र में दो सदस्यों का चुनाव होगा। जबकि शेष सभी क्षेत्रों में एक सदस्य का चुनाव होगा। पांच वर्ष से खाली है बदायूं सीट बदायूं स्थानीय निकाय क्षेत्र से परिषद सदस्य रहे बनवारी सिंह यादव का निधन 8 मार्च 2017 को हो गया था। तब से यह सीट खाली है।

एमएलसी चुनाव की अचानक घोषणा से बढ़ी सियासी दलों की चुनौती

लखनऊ ब्यूरो : केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने विधानसभा आम चुनावों के साथ विधान परिषद के 36 सदस्यों के चुनाव का एलान कर राजनीतिक दलों की चुनौती बढ़ा दी है। एक साथ दो–दो चुनावों का सामना करने के लिए राजनीतिक दल तैयार नहीं थे। प्रदेश में स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित होने वाले 36 सदस्यों का कार्यकाल सात मार्च को समाप्त हो रहा है। इनमें ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत सदस्यों के साथ शहरी निकायों के प्रतिनिधि मतदान करते हैं। ये चुनाव पिछले वर्ष कराने की अटकलें थीं, जब सदस्यों काकार्यकाल छह महीने बाकी था। पर, कोविड व अन्य कारणों से संभव नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव का एलान होने से दल निश्चिंत थे, कि अब यह बाद में ही होंगे। मगर, शुक्रवार को अचानक इसका एलान कर दिया गया। जानकार बताते हैं कि प्रदेश के राजनीतिक दल, खासकर भाजपा और सपा विधानसभा चुनाव में सहयोगी दलों से समझौते, दलबदल की धमाचौकड़ी के बीच टिकट बंटवारे व टिकट न मिलने से असंतुष्ट नेताओं की चुनौती का पहले से ही सामना कर रहे हैं। तमाम असंतुष्टों को परिषद सीटों पर लड़ाने का आश्वासन देकर विधानसभा चुनाव में जुटने का आग्रह किया जा रहा था। मगर, इस चुनाव के एलान से दलों का समीकरण गड़बड़ा गया है। अब परिषद के प्रत्याशी भी तय करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। इससे दोनों ओर असंतुष्टों की बड़ी फौज बढ़ सकती है। एमएलसी चुनाव में बढ़ी चुनौती एमएलसी चुनाव में ग्रामीण व शहरी निकायों के प्रतिनिधि मतदान करते हैं। विधानसभा चुनाव में ये प्रतिनिधि राजनीतिक दलों की बड़ी ताकत के रूप में काम करते हैं। दोनों चुनाव साथ होने से इनकी सक्रियता विधानसभा

चुनाव की अपेक्षा विधान परिषद चुनाव में बढ़ जाएगी। मतदाता सीमित संख्या में होते हैं। उनका समर्थन लेने के लिए स्थानीय प्रभावशाली लोगों की अहम भूमिका होती है। विधानसभा चुनाव में भूमिका सीमित होगी। प्रत्याशी कद्दावर लोग होते हैं। इनमें तमाम विधानसभा टिकट के दावेदार होते हैं। ये अपने चुनाव में व्यस्त होंगे, जिसका असर विधानसभा चुनाव वाले प्रत्याशियों पर पड़ेगा। वहीं, विधायक प्रत्याशी इनकी मदद नहीं कर पाएंगे। दोनों चुनाव एक साथ होने से दो–तरह के चुनाव प्रबंधन की चुनौती सामने आ गई है। सपा–भाजपा के बीच यहां भी तगड़ी जोर आजमाइश 100 सदस्यीय परिषद में वर्तमान में सपा 48 सदस्यों के साथ बहुमत में है। दूसरे नंबर पर रही भाजपा के 36 सदस्य हैं। जिन 36 सदस्यों के लिए चुनाव हो रहे हैं उनमें करीब 30 सीटें सपा के कब्जे वाली हैं। जो भी पार्टी ज्यादा सदस्य जिता पाएगी, परिषद में उसका दबदबा बढ़ जाएगा।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

खेत की रखवाली करने गए किसान की सिर में गोली मारकर हत्या

लखनऊ ब्यूरो : माल के दन्नोर गांव में शुक्रवार रात खेत की रखवाली करने गए किसान की सिर और पीठ में गोली मारकर हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह खेत में खून से लथपथ शव मिला। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

है। मृतक के परिजनों ने न तो किसी पर कोई आरोप लगाया है और न ही घटना का कोई कारण भी सामने आया है। पुलिस कई बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। माल के दन्नोर निवासी किसान राकेश गुप्ता (32) शुक्रवार रात खेत में पानी लगाने की बात कहकर घर से निकला था। रात में घर नहीं लौटा तो परिजनों ने समझा कि खेत में काम कर रहा होगा। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने खेत में राकेश का शव पड़ा देख परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सीओ मलिहाबाद योगेश सिंह और माल थाना प्रभारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड बुलाकर भी छानबीन की गई। पता चला कि राकेश के सिर और पीठ में नजदीक से गोली मारी गई है। पुलिस ने राकेश के घर वालों से बात की मगर उन्होंने किसी से रंजिश होने से इनकार किया। सीओ का कहना है कि परिजन जो भी तहरीर देंगे उसी के अनुसार मुकदमा दर्ज किया जाएगा। कई बिंदुओं पर छानबीन शुरू कर दी गई है। घर में मचा कोहराम सुबह–सुबह राकेश की हत्या की सूचना मिलते ही उसके घर में कोहराम मच गया। गांव वालों ने बताया कि 4 साल पहले ही राकेश की शादी हुई थी। वह मिलनसार था और गांव में किसी से दुश्मनी भी नहीं थी।

बुलंदशहर सदर में भाजपा–रालोद में कड़ी जंग : जाति दिखाएगी अपना रंग

बुलंदशहर ब्यूरो : बुलंदशहर सदर विधानसभा सीट पर मतदाता किसका झंडा बुलंद करेंगे, यह सवाल सबके जेहन में कौंध रहा है। रालोद और बसपा ने यहां मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं, तो भाजपा और कांग्रेस ने जाट। मुस्लिम मतदाताओं के वर्चस्व वाली सीट पर इस बार जाट मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। कभी बाहुबली डीपी यादव के कब्जे में रही इस सीट पर सभी दलों को कड़ी परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। यहां क्यों सभी दलों की परीक्षा है, इसे समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा। 2017 के चुनाव में जिले में भाजपा के बड़े चेहरों में शुमार रहे जाट नेता विरेंद्र सिंह सिरोही जीते थे। उनके निधन के बाद भाजपा ने उनकी पत्नी ऊषा सिरोही को 2020 के उपचुनाव में उतारा था। उन्होंने बसपा के हाजी यूनुस को 21 हजार से अधिक मतों से मात दी थी। हाजी यूनुस अब गठबंधन की तरफ से रालोद के चुनाव चिह्न पर मैदान में हैं। भाजपा ने इस बार भी जाट समाज के ही प्रदीप चौधरी पर भरोसा जताया है। 2012 से इस सीट पर भाजपा और बसपा के बीच टक्कर होती आई है। पर, समीकरणों के हिसाब से इस बार रालोद और भाजपा के बीच मुकाबला माना जा रहा है। बसपा ने रालोद के सामने खड़ी की चुनौती रालोद प्रत्याशी हाजी यूनुस बसपा के पूर्व विधायक हाजी अलीम के भाई हैं। इस सीट पर एक लाख से अधिक मुस्लिम मतदाताओं में इनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। 62 हजार जाटव और मुस्लिम मतदाताओं के मजबूत समीकरण के बल पर हाजी अलीम 2007 और 2012 में विधायक चुने गए थे। 2017 में मोदी लहर में वह विरेंद्र सिंह सिरोही से हार गए थे। बाद में अलीम की हत्या हो गई। अब उनकी सियासी विरासत को हाजी यूनुस आगे बढ़ा रहे हैं। 2020 के उपचुनाव में हार के बाद यूनुस पाला बदलकर रालोद में पहुंच गए। पर, बसपा ने भी मुस्लिम प्रत्याशी मोबिन कल्लू को उतारकर उनका गणित गड़बड़ा दिया है। रालोद के परंपरागत मतदाता माने जाने वाले जाट मतदाताओं का झुकाव पिछले चुनाव में भाजपा की तरफ देखा गया था। भाजपा ने इस बार भी जाट समाज से ही प्रत्याशी उतारा है। भाजपा का सारा गणित इनके अलावा 36 हजार ब्राह्मण, 35 हजार लोध, 23 हजार क्षत्रिय, 15 हजार वाल्मीकि मतदाताओं पर टिका है। कांग्रेस ने सुशील चौधरी को यहां से टिकट दिया है।

माना जा रहा है कि इस बार 40 हजार जाट वोटर भाजपा, रालोद के साथ कांग्रेस की तरफ भी जा सकता है। ध्रुवीकरण के साथ भाजपा गैर जाट और गैर मुस्लिम मतदाताओं को साधने की कोशिश में लगी हुई है। रालोद–सपा गठबंधन की सारी कोशिश जाट और मुस्लिम मतों के बिखराव को रोकने और अपने पाले में लाने की है। नगर के मोहल्ला आवास विकास के इरफान कहते हैं, इस बार कड़ी टक्कर है। बसपा की सक्रियता भले कम है, लेकिन वह मतों में बंटवारा करते हुए दिख रही है। वहीं, श्रीकांत कहते हैं कि यहां के जातिगत समीकरण विपक्ष के लिए चुनौती हैं। जितेंद्र सिंह इस पर सवाल उठाते हुए कहते हैं, विपक्ष ही क्यों, यह चुनाव भाजपा के लिए भी आसान नहीं है। डीपी यादव ने लगाई थी हैट्रिक 1952 में इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसीदास चुनाव जीते थे। 1989 से लगातार तीन बार बाहुबली डीपी यादव का कब्जा रहा। भाजपा को पहली बार 1996 में महेंद्र सिंह यादव ने इस सीट पर जीत दिलाई थी। वे 2002 में भी जीते थे। कमजोर पड़े स्थानीय मुद्दे शहर के लोग समय–समय पर दिल्ली के लिए ट्रेन समेत यातायात की सुविधाएं बढ़ाने की मांग करते रहे हैं। रिंग रोड समेत अन्य मुद्दे भी उठते हैं। पर, चुनावी माहौल में ये मुद्दे कमजोर पड़ते दिख रहे हैं।

आगरा में आसान नहीं डगर पनघट की, दलित बहुल ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र में मुश्किलों से पार पाना होगा

आगरा ब्यूरो : दलित बहुल ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र को आगरा की हंसली (गले का हार) भी कहा जाता है। शहरी सीमा से सटे गांव इसमें शामिल हैं। 2012 में अस्तित्व में आई इस सीट पर 2017 में भाजपा की हेमलता दिवाकर ने मोदी लहर में बसपा के कालीचरन सुमन को 65,296 मतों के अंतर से हराया था। मौजूदा विधायक के प्रति जनता की नाराजगी का फीडबैक मिलने के बाद भाजपा ने हेमलता दिवाकर का टिकट काट कर उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबीरानी मौर्य पर दांव लगाया है। बसपा ने यहां किरन प्रभा केसरी को उतारा है, तो सपा–रालोद गठबंधन ने महेश जाटव को। कांग्रेस ने यहां पुराने चेहरे उपेंद्र सिंह को टिकट दिया है। वे यहां से पहले भी दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। बेबीरानी मौर्य भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। बड़ा चेहरा हैं। पर, उनके सामने अपनी ही विधायक के प्रति उपजी नाराजगी को दूर करने की भी चुनौती है। इस सीट की आबादी में सबसे ज्यादा सवा लाख दलित मतदाता हैं। एक लाख से अधिक मुस्लिम, यादव, कुशवाह मतदाता भी हैं। सुरक्षित सीट होने से यहां सभी उम्मीदवार दलित हैं। ऐसे में बहुतायत दलित किधर रुख करते हैं, यह मायने रखता है। बहुतायत दलितों के साथ ही जो अन्य जातियों के मतदाताओं को अपने पाले में लाने में कामयाब हो गया, जीत उसी की होगी। मुद्दों पर मुखर हैं मतदाता अब बातें मतदाताओं के दिल की। क्षेत्रीय विधायक को लेकर अजीजपुर निवासी प्रेम सिंह सवाल उठाते हैं। वे कहते हैं, विधायक ने कोई काम नहीं कराया है। काम तो छोड़िए, पांच साल तक क्षेत्र में दिखाई नहीं दीं। रंगोली कॉलोनी के प्रदीप चाहर अपना सवाल अलग तरीके से रखते हैं। वे कहते हैं, आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र दो पाटों में फंसा हुआ है। एक तरफ गांव हैं, तो दूसरी तरफ शहर। यहां विकास कार्य बमुश्किल हो पाते हैं। विधायक का ध्यान गांवों की ओर रहता है। नगला जयराम की रामवती देवी कहती हैं, बरसों से पीवे को पानी नाय, जा तरफ कोऊ नै ध्यान ना दयौ। रामवती के ये शब्द बता देते हैं कि यहां पेयजल की कितनी किल्लत है। सरला देवी कहती हैं, शौचालय बनवा दिए मगर पानी नहीं है। हैंडपंप सूखे हैं। चुनावों की बात छिड़ते ही किसान विजय सिंह झुंझला कर कहते हैं, नील गाय और छुट्टा पशुओं की समस्या से किसान परेशान हैं। नहरों में पानी नहीं आता है। नेताजी तो चुनाव में आते हैं, मगर गांव के लोग तो हर रोज इन समस्याओं से जूझते हैं। बाईपुर के रोहतान सिंह कहते हैं, पानी की निकासी नहीं है। इस समस्या से लंबे समय से जूझ रहे हैं। श्यामवीर यादव का कहना है कि रोजगार के लिए पहल होनी चाहिए। उद्योग और फैक्ट्रियां हों, तो युवाओं को रोजगार मिल सके। पर, पिछले पांच साल में ऐसा कुछ नहीं हुआ।प्रत्याशी बदला, पर सवाल अब भी पीछा कर रहे। भाजपा ने यहां की विधायक के प्रति नाराजगी को लेकर प्रत्याशी तो बदल दिया, पर नाराजगी के सवाल अब भी पीछा कर रहे हैं। सबसे ज्यादा सवाल विधायक के पांच साल दिखाई नहीं देने को लेकर है। नाराजगी का आलम ये रहा है कि सिरौली, अजीजपुर में लोगों ने विधायक लापता के पोस्टर लगाए थे। छावनी सीट पर भी पड़ता है प्रभाव ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की सीमाएं छावनी और खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र से सटी हुई हैं। ग्रामीण की तरह छावनी सीट भी दलित बहुल है, जबकि खेरागढ़ में जाट, क्षत्रिय व कुशवाह मतदाता अधिक हैं। ग्रामीण सीट का असर छावनी विधानसभा क्षेत्र में पड़ता है, लेकिन खेरागढ़ में अधिक असर नहीं होता। इस बार भी इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में पुराने मुद्दे हैं। हालांकि, छावनी विधानसभा क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा शहर में होने के कारण यहां शहरी क्षेत्र के ही मुद्दे रहते हैं।

बसपा ने तीसरे चरण के आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की : फिरोजाबाद और सिरसागंज के उम्मीदवार बदले

लखनऊ ब्यूरो : बसपा ने तीसरे चरण के आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की है। फिरोजाबाद व सिरसागंज के उम्मीदवार बसपा पहले ही घोषित कर चुकी थी पर अब इन्हें बदल दिया गया है। शुक्रवार को बसपा ने तीसरे चरण के आठ उम्मीदवार घोषित किए। दो टिकट बदले गए। फिरोजाबाद विधासभा क्षेत्र से बबलू कुमार राठौड़ को टिकट दे दिया गया था पर अब उनके स्थान पर साजिया हसन को उम्मीदवार घोषित किया गया है। इसी तरह से सिरसागंज सीट पर ठा. राघवेंद्र सिंह को उम्मीदवार घोषित किया गया था लेकिन अब पंकज मिश्रा को टिकट दे दिया गया है। इसके अलावा अमृतपुर से अमित कुमार सिंह उर्फ राहुल कुशवाहा, भोजपुर से आलोक वर्मा, विधूना से गौरव सिंह, भोगनीपुर से जुनैद खान, आर्यनगर से डा. आदित्य जायसवाल तथा चरखारी से विनोद कुमार राजपूत को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

द्विवार्षिक निर्वाचन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम नियत

जौनपुर सू.वि. : उप निर्वाचन अधिकारी रामप्रकाश ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम नियत किया गया है। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य निर्वाचित होने हैं। निर्वाचन की अधिसूचना 04 फरवरी 2022 शुक्रवार, नाम निर्देशन हेतु अंतिम तिथि 11 फरवरी 2022 शुक्रवार, नाम निर्देशनों की जांच हेतु 14 फरवरी 2022 सोमवार, नाम वापसी हेतु अंतिम तिथि 16 फरवरी 2022 बुधवार, मतदान 03 मार्च 2022 बृहस्पतिवार, मतदान का समय पूर्वान्ह 8.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक, मतगणना 12 मार्च 2022 शनिवार, वह दिनांक जिसके के पूर्व निर्वाचन पूर्ण कर लिया जाएगा 15 मार्च 2022 मंगलवार है। उक्त निर्वाचन के संबंध में आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध आयोग के निर्देश में दिए गए प्रावधानों के अनुसार तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

कोरोना के मद्देनजर छह फरवरी तक बंद रहेंगे शैक्षणिक संस्थान : ऑनलाइन कक्षाएं चलती रहेंगी

लखनऊ ब्यूरो : कोरोना संक्रमण के मद्देनजर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान अब छह जनवरी तक बंद रहेंगे। इस दौरान ऑनलाइन कक्षाएं यथावत जारी रहेंगी। अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से शुक्रवार को सभी मंडलायुक्तों, एडीजी, पुलिस आयुक्तों, आईजी, डीआईजी, जिलाधिकारियों व पुलिस कप्तानों को पत्र भेजकर शैक्षणिक संस्थानों को छह फरवरी तक तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले शैक्षणिक संस्थानों को 30 जनवरी तक

बंद रखने का निर्देश दिया गया था।

कई दिनों बाद पछुआ हवाओं से मिली राहत, आज निकली कड़कड़ाती धूप

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में शनिवार को सर्दी से लोगों को थोड़ी राहत मिली है। आज निकली खिलखिलाती धूप ने ठंड को दूर करने का काम किया है। पिछले कुछ दिनों से चल रहीं पछुआ हवाओं ने दिन में भी गलन का काम किया था, जिससे धूप बेअसर दिखती थी। लेकिन आज धूप निकलने के कारण सर्दी से राहत मिली है। तो वहीं, न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोत्तरी देखी गई है। आज अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान आठ डिग्री दर्ज किया गया था। शुक्रवार से पहले पछुआ हवाओं के कारण बढ़ी गलन ने आम जन जीवन को प्रभावित किया था। पिछले दिनों सुबह धूप निकलती थी लेकिन दोपहर होते–होते बादल छा जाते। जिससे सर्दी और गलन अधिक बढ़ जाती थी।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

अपनीं निन्दा को धैर्य से सुनना चाहिये, यह साबुन का काम करती है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

राजनीति के दुश्चक्र में फंसा हिन्दू धर्म

धर्म के व्यापक फलक में सनातनी भी हिंदू हैं, आर्य समाजी भी और ब्रह्म समाजी भी। ऐसा विशाल और व्यापक धर्म दुनिया में नहीं है। तो फिर हिंदुत्व क्या है? क्या बजरंग दल और श्रीराम सेना की सोच हिंदुत्व है? क्या हिंदुत्व प्रेमी जोड़ों पर हमला है? पहनने–ओढ़ने पर सामाजिक पुलिसिंग है? क्या 'लव जिहाद' के नाम पर आंदोलन हिंदुत्व है? घर वापसी हिंदुत्व है?

हिंदुत्व को लेकर जंग छिड़ी है। 'हिंदुत्व' राजनीति के दुश्चक्र में फंस गया है। एक तरफ हाहाकारी हिंदुत्ववादी हैं और दूसरी ओर 'मैं हिंदू हूं, पर हिंदुत्ववादी नहीं' के झंडाबरदार। फिर कोई खुर्शीद साहब आते हैं और हिंदुत्व को 'बोको हराम' बता जाते हैं। बोको हराम जैसे नृशंस संगठन की तुलना हिंदू धर्म से करना अपनी जाहिलियत का एलान ही है।

कभी कोट के ऊपर जनेऊ पहनने वाले राहुल गांधी हिंदुत्व को हिंसा और सांप्रदायिकता का औजार बता देते हैं। दरअसल हिंदू और हिंदुत्व अद्वैत हैं। हिंदुत्व अपने आप में कोई धर्म, पंथ या वाद नहीं है। जो 'हिंदुइज्म' के जरिये हिंदुत्व को समझने की कोशिश करते हैं, उन्हीं से यह बखेड़ा खड़ा हुआ है। हिंदुत्व सिर्फ 'हिंदू–पन' है।

हमारी परंपरा में चार्वाक ईश्वर के अस्तित्व को ही नहीं मानते थे। उन्होंने वर्तमान में जीने और कर्ज लेकर घी पीने का एलान किया था। हमने उनका सिर कलम नहीं किया, बल्कि ऋषि का दर्जा दिया। कबीर पत्थर को पूजने (मूर्तिपूजा) के खिलाफ खड्गहस्त थे। हमने उन्हें भक्त माना। तुलसी सगुण उपासक थे। पर उन्होंने लिखा पद बिन चले, सुनै बिन काना यानी ईश्वर बिना पैर के चलता और बिना कान के सुनता है।

यानी ईश्वर निर्गुण है। एक ही बिस्तर पर मेरी सनातनी दादी अंतकाल रघुवर पुर जाई गाती थी, तो आर्य समाजी दादा अंतकाल अकबरपुर (फैजाबाद पैतृक गांव) जाई का उद्घोष करते थे। एक मूर्ति पूजा करता, दूसरा उसका विरोध। पर दोनों हिंदू थे। एक ही छत के नीचे कोई राम भक्त, कोई शिव भक्त, कोई कृष्ण भक्त, तो कोई शक्ति की उपासना करता था। पर सब हिंदू थे। यह है हिंदू धर्म का मूल।

हिंदू धर्म की इस संवादप्रियता के कारण ही भारतीय इस्लाम और भारतीय ईसाई यहां वैसे नहीं हैं, जैसे अपने मूल रूप में अरब और पश्चिम में हैं। हिंदू धर्म में आस्तिकता की भी जगह है और नास्तिकता की भी। इसमें मूर्ति को मानने वाले भी हैं, मूर्ति को न मानने वाले भी। द्वैत–अद्वैत और सगुण–निर्गुण को मानने वाले भी।

धर्म के व्यापक फलक में सनातनी भी हिंदू हैं, आर्य समाजी भी और ब्रह्म समाजी भी। ऐसा विशाल और व्यापक धर्म दुनिया में नहीं है। तो फिर हिंदुत्व क्या है? क्या बजरंग दल और श्रीराम सेना की सोच हिंदुत्व है? क्या हिंदुत्व प्रेमी जोड़ों पर हमला है? पहनने–ओढ़ने पर सामाजिक पुलिसिंग है? क्या 'लव जिहाद' के नाम पर आंदोलन हिंदुत्व है? घर वापसी हिंदुत्व है?

वैलेंटाइन–डे का डंडे से मुकाबला हिंदुत्व है? प्रायः कट्टरता को नव राष्ट्रवादी हिंदुत्व का लक्षण मान रहे हैं। एक पवित्र शब्द का अर्थ ऐसे गिरा कि इस शब्द ने अपनी अर्थवत्ता ही खो दी। धारणा में हिंदुत्व के नाम पर एक आक्रामक लठैत समाज खड़ा हो गया, जिसे कोई आलोचना बर्दाश्त नहीं। जैसे बंधु–बंधुत्व, बुद्ध–बुद्धत्व, मनुष्य–मनुष्यत्व होता है, वैसे ही हिंदू–हिंदुत्व होता है।

उसमें गड़बड़ की अंग्रेजी शब्द 'हिंदुइज्म' ने, जिसका अनुवाद अंग्रेजीदां मित्रों ने हिंदुत्व कर लिया। हिंदुत्व शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल बंकिमचंद्र के आनंदमठ में हुआ था। बाद में सावरकर ने इसे राजनीतिक विचारधारा से जोड़ा। नासमझी दोनों तरफ है। जो हिंदुत्व में बोको हराम जैसी नृशंसता देख रहे हैं, उन्हें हिंदू धर्म के बारे में कुछ नहीं पता।

हिंदू धर्म न किसी एक किताब से जुड़ा है, न किसी एक धर्म प्रवर्तक या भगवान से। यह दुनिया का इकलौता धर्म है, जहां से आप कोई धार्मिक पुस्तक या भगवान निकाल लें, तो भी बगैर खतरे के धर्म बना रहेगा। हिंदू आत्मा के अमरत्व में विश्वास करता है। हिंदू का धर्म ही उसे वह ताकत देता है कि वह अधर्म से निपट सके।

प्रतिशोध और प्रतिक्रिया की कायर हिंसा के बल पर नहीं, अपनी आस्था, विचार, अहिंसा और अपने धर्म की अक्षुण्ण शक्ति पर। हिंदू को किसी मुल्ला, पोप, आर्क बिशप या महंत के जरिये उस तक नहीं पहुंचना होता है। हिंदू धर्म इस बात की पूरी स्वतंत्रता देता है कि कोई अपना आराध्य, पूजा पद्धति, जीवन शैली अपनी आस्था के अनुसार चुन सकता है।

आप वेद में भी विश्वास कर सकते हैं। उपनिषद् में भी भरोसा कर सकते हैं। रामायण को भी मान सकते हैं। गीता को ही अपना धर्म ग्रंथ मान सकते हैं। उपनिषद भी एक नहीं, 108 हैं। महापुराण भी 18 हैं। हिंदू होने के लिए गीता को बाइबिल या कुरान की तरह अपने धर्म की पहली और अंतिम पुस्तक मानना अनिवार्य नहीं है।

भक्त कवियों ने गुरु का होना अनिवार्य माना है। लेकिन गुरु को सब कुछ मानने वाले कबीर ने भी कह दिया कि गुरु की करनी गुरु जाएगा, चेले की करनी चेला। आदि शंकराचार्य जब केरल के कलाडी गांव से बौद्ध और जैन मत के सामने सनातन धर्म की पुनर्स्थापना करने निकले थे, तो उनके साथ लाखों कारसेवक नहीं थे। उनके साथ उनका धर्म था, जिसे उन्होंने अपने ज्ञान और तप से स्थापित किया।

शंकराचार्य ने चार पीठों की स्थापना की, लेकिन यह नहीं कहा कि यह पीठ उस पीठ से ऊंची या बड़ी है। उन्होंने चार शंकराचार्य बैठाए, लेकिन किसी एक के अधीन तीन को नहीं किया। किसी भी शंकराचार्य को अधिकार नहीं दिया कि अपने धाम के लोगों के लिए धर्मादेश निकाल सकें, जो सभी हिंदुओं के लिए बाध्यकारी हो। सो हिंदू धर्म के मर्म को समझिए और हिंदुत्व पर कृपा कीजिए। हिंदुत्व से अधिक वृहद, उदार और सर्वसमावेशी विचारधारा दूसरी नहीं मिलेगी।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

दम घुटने से दो युवकों की मौत

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : पिहानी–हरदोई मार्ग पर पूजा ढाबा व बाबा मैरिज लान के सामने जल निगम से जुड़ी निजी कंपनी की बन्द गाड़ी में संदिग्ध अवस्था में दो युवकों की मौत हो गई। इनकी शिनाख्त जूनियर इंजीनियर व ड्राइवर के रूप में की गई है। एसपी राजेश द्विवेदी ने घटनास्थल पर जाकर जांच की। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। फॉरेंसिक टीम घटना की बिंदुवार जांच कर रही है। जूनियर इंजीनियर धर्मराज सिंह यादव निवासी दयाराम पुरवा थाना चिनहट लखनऊ के मूल निवासी थे। उनकी गाड़ी ड्राइवर राम दुलारे पुत्र सुखदेव मूल निवासी कुशीनगर चलाता था। शुक्रवार सुबह पिहानी–हरदोई मार्ग पर मैरेज हाल के मेन गेट के सामने से उनकी कार खड़ी थी। सुबह काफी देर तक जब गाड़ी नहीं हटी तब मैरेज हाल व ढाबे के कर्मचारियों ने उसे हटाने की कोशिश की, परंतु गाड़ी के अंदर से कोई नहीं बोला। उसके बाद कर्मचारियों ने पुलिस से शिकायत की। मौके पर पहुंचे हलका इंचार्ज नरेंद्र सैनी ने गाड़ी का दरवाजा खोला तो देखा कि दो युवक मृत अवस्था में पड़े हुए हैं। घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस कप्तान राजेश द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी हरियावाँ अशोक कुमार त्रिपाठी व कोतवाल दिलेश सिंह पहुंचे। घटना की गहनता से जांच पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम के भी लोग वहां

पहुंचकर जांच की। सूचना पाकर पहुंचे एई धनंजय कुमार व जेई अभय सिंह ने बताया कि निजी कंपनी में धर्मराज सिंह जूनियर इंजीनियर व राम दुलारे ड्राइवर के पद पर तैनात हैं। दोनों पिहानी विकास खंड के गांवों में जल निगम की लॉगिन करने आते हैं। वे बड़ी निपनिया गांव में लागिन करने के लिए आए थे। बृहस्पतिवार को शाम 6:30 बजे काम करके बड़ी निपनिया से पिहानी की ओर निकले थे। देर होने पर वह पूजा ढाबा पर रुक गए। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने पूजा ढाबा के मैनेजर व अन्य लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। सीसीटीवी कैमरा को देखा। कोतवाल दिलेश कुमार ने बताया कि अभी तक हुई जांच में मामला प्रथम दृश्य मौत दम घुटने से प्रकाश में आ रहा है। विस्तृत जांच अभी जारी है।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिला चुनाव संचालन समिति की हुई बैठक

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर हुई चुनाव संचालन समिति की बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी प्रकाश पाल ने बताया कि भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओ और पदाधिकारियों की टोली घर घर जाकर संपर्क कर रही है। सभी वर्गों में भाजपा के प्रत्याशियों को जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। सभी प्रत्याशी २०१७ से ज्यादा वोटों से जीतकर प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। जिला प्रभारी ने सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव अभियान की समीक्षा करते हुए जिला चुनाव संचालन समिति के सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। जिला प्रभारी ने बताया कि समाजवादी पार्टी के शासन में माफिया और गुंडागर्दी जनता भूली नहीं है। अपहरण, व्यापारियों से रंगदारी, बहु बेटियों से छेड़खानी जैसे अपराधो से आम जनमानस परेशान रहता था। २०१७ में भाजपा सरकार आने पर प्रशासन को माफियाओं पर कार्यवाही करने की छूट दी।

गैंगस्टर, गुंडे, भूमाफियाओं को जेल भेजने का काम किया। आज व्यापारी महिला आम जनता सभी बिना भय के जीवन संभव हुआ है।आम जनता को बिना किसी भेद भाव के कल्याणकारी योजनाओं का फायदा मिला। सभी वर्गों को साथ लेकर प्रदेश के विकास में सरकार ने कदम उठाया।

शंघाई कॉरपोरेशन में काशी बनेगी एक साल के लिए सांस्कृतिक राजधानी : मिलेगी दुनिया में पहचान

वाराणसी ब्यूरो : शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गनाइजेशन–एससीओ) में भारत की ओर से काशी एक वर्ष के लिए सांस्कृतिक व पर्यटन राजधानी बनेगी। इसके लिए सभी विभागों के समन्वय से 100 पेज में बनारस का डोजियर (बायोडाटा) तैयार किया जाएगा। इसमें साल भर तक होने वाले आयोजन, प्रमुख स्थल, खानपान सहित अन्य चीजों को प्रमुखता से उल्लेखित किया जाएगा। स्मार्ट सिटी इस पूरे अभियान की नोडल एजेंसी होगी। इस पूरी तैयारियों के लिए शुक्रवार को मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल की अध्यक्षता में सभी विभागों की एक साथ बैठक हुई। दरअसल, शंघाई सहयोग संगठन की ओर से प्रत्येक वर्ष एक देश के एक शहर को सांस्कृतिक व पर्यटन राजधानी बनाए जाने का प्रावधान है। स्मार्ट सिटी डोजियर तैयार करेगी इसमें सितंबर 2022 से सितंबर 2023 तक के लिए भारत को इसके लिए चुना गया है। इसमें संगठन से जुड़े देशों के पर्यटक यहां आएंगे और यहां की संस्कृति से रूबरू होंगे। मंडलायुक्त सभागार में हुई बैठक में कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि काशी को सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी घोषित कराने के लिए स्मार्ट सिटी डोजियर तैयार करेगी। इसके लिए प्रत्येक विभाग को स्मार्ट सिटी के साथ जानकारी को साझा करना होगा। शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट प्राप्त जानकारियों को समुचित ढंग से समायोजित कर स्मार्ट सिटी डोजियर तैयार करेगी। पर्यटन विभाग की ओर से काशी के पर्यटन स्थलों की जानकारी शेयर करनी है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक उनके पास पर्यटन से संबंधित मुकम्मल जानकारी है। काशी के प्रमुख पर्यटन स्थलों के अलावा पंचक्रोशी परिक्रमा, पावन पथ के मंदिरों की जानकारी और महत्वपूर्ण फोटो जल्दी ही स्मार्ट सिटी को उपलब्ध करा देगा। इसी तरह संस्कृ

ति और हैंडीक्राफ्ट विभाग भी स्मार्ट सिटी को वर्ष भर के आयोजन और प्रमुख हैंडीक्राफ्ट की जानकारी उपलब्ध कराएगा।मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने कहा कि पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित होने पर यहां न सिर्फ पर्यटन बल्कि संस्कृति विकास के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हम अपनी तैयारी कर रहे हैं और इसकी पूरी रिपोर्ट फरवरी के पहले सप्ताह में शासन को भेज दिया जाएगा। यह होगा डोजियर में डोजियर निर्माण का उद्देश्य शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की आगामी शिखर सम्मेलन में काशी को एससीओ की सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के लिए नामांकन के तौर पर प्रस्तुत किया जाएगा। डोजियर में वर्ष भर काशी में आयोजन होने वाले महत्वपूर्ण त्यौहारों, प्रमुख मंदिरों, पर्यटन और संस्कृति आयोजनों की जानकारी होगी। 8 देशों का आर्थिक राजनीतिक गठबंधन है एससीओ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा गठबंधन है। इसमें चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, तजाकिस्तान, उजबेकिस्तान सहित 8 देश शामिल हैं। 9 जून 2017 को भारत और पाकिस्तान ने इसकी सदस्यता ली। आतंकवाद के खिलाफ आपसी सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय शांति के लिए एससीओ के सदस्य देश काम करते हैं। जनसंख्या की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन और सबसे बड़ा उपभोक्ताओं वाला बाजार भी है।

एसडीएम व सीओ ने शराब की दुकानों का निरीक्षण कर स्टॉक चेक किया

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उपजिलाधिकारी रूदौली स्वप्निल यादव,सीओ सुरेंद्र प्रताप तिवारी थाना प्रभारी नीरज सिंह मवई थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेवरा,शेरपुर,बाबा बाजार,सैदपुर,मवई,उमापुर आदि गांवों में स्थित लाइसेंसी शराब की दुकानों पर पहुंच कर स्टॉक व रजिस्टर को चेक कर सत्यापन किया।सत्यापन के दौरान मानक के विपरीत कोई कमी नही पाई गई।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक नीरज सिंह ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक शराब की दुकानों जांच पड़ताल जारी रहेगी।जिससे कोई घटना घटित न होने पाये।उन्होंने बताया कि हल्का एसआई तथा सिपाहियों को निर्देश दे दिये गए हैं कि अवैध शराब बनाने वाले लोगों पर पैनी नजर रखें।

सियासी दलों की बयार हो जाती है बेकार : मेरठ में ध्रुवीकरण करेगा बेड़ा पार

मेरठ ब्यूरो : सबसे बड़ा सवाल, आज कोई सवाल क्यों नहीं है? कहां गए वो तीखे–तीखे, चुभते–चुभते सवाल? क्या उनमें इतनी भी ताकत न थी, कि मांग सकते अपना जवाब। अब तो समीकरण हैं। समीकरणों में मतदाता है। मतदाता की जाति है। धर्म है. ..। अब तो होड़ है, ये मेरा है...ये मेरा है...। इतना अपनापन! अब तो सब हमदर्द हैं। हमराह हैं। रहनुमा दावे कर रहे हैं, सारे दर्द के मारे अपने हैं! जब शब्दों में इतनी मिठाई घुली हो, तो दर्द भूल ही जाता है। पर, ये दो दिनों का मेला है...। फिर तो हम होंगे, जवाब तलाशते सवाल होंगे...। यह मेरठ शहर है। आमतौर पर यहां के मतदाता राजनीतिक दलों की हवा के साथ नहीं बहते। चुनाव में मुद्दे चाहे जो हों, पर इस सीट पर बूथ तक जाते–जाते मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण हो ही जाता है। इसलिए प्रत्याशी यहां सारे समीकरण ध्रुवीकरण को ध्यान में ही रखकर बनाते हैं। वर्ष 2017 के चुनाव को ही देख लीजिए। भाजपा और नरेंद्र मोदी की प्रचंड लहर थी। अमित शाह ने बड़ी रैली भी की, इसके बावजूद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहते लक्ष्मीकांत वाजपेई हार गए। हालांकि, इन्हीं लक्ष्मीकांत वाजपेई ने वर्ष 2012 में सपा की ऐतिहासिक जीत के बावजूद यहां कमल खिलाया था। दरअसल, मेरठ शहर का अलग मिजाज है। जब सपा को स्पष्ट बहुमत मिला तो भगवा लहराया, मगर मोदी की प्रचंड लहर भी नहीं दिला सकी सीट। डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेई यहां से आठ बार चुनाव लड़े। 1989, 1996, 2002 और 2012 में जीते भी। जब–जब यहां मुस्लिम वोटों का बंटवारा नहीं हुआ, तब–तब भाजपा की राह मुश्किल हुई। भाजपा ने इस बार वाजपेई के बेहद करीबी रहे नए चेहरे कमलदत्त शर्मा पर दांव लगाया है, तो रालोद के साथ गठबंधन में उतरी सपा ने मौजूदा विधायक रफीक अंसारी पर ही भरोसा जताया है। रफीक की मुश्किल यह है कि बसपा ने यहां दिलशाद शौकत, तो एआईएमआईएम ने भी मुस्लिम प्रत्याशी इमरान अहमद को उतार दिया है। वहीं, कांग्रेस ने रंजन शर्मा और आप ने कपिल शर्मा को प्रत्याशी बनाकर भाजपा की चुनौती बढ़ा दी है। ऐसे में जो भी अपने खेमे के मतदाताओं को लामबंद करने में कामयाब हो जाएगा, जीत का सेहरा उसी के सिर बंधेगा। ढबाई नगर के मो. शाहिद इन समीकरणों पर पैनी निगाह लगाए हुए हैं। वे कहते हैं, पहले देखेंगे कि मुख्य मुकाबले में कौन–कौन हैं। जो जिताऊ होगा और बदलाव लाएगा, उसी के साथ जाएंगे। निजाम गाजी कहते हैं कि विधायक ऐसा हो जिससे मिलना आसान हो। वहीं, हापुड़ रोड के दुकानदार रोहित कहते हैं योगी सरकार ने पांच साल में सुरक्षा का अहसास दिया है। विकास भी हुआ है। एक्सप्रेसवे बनने के बाद से दिल्ली जाना आसान हो गया है। पहले घंटों मोदीनगर के जाम में ही फंस जाते थे। ब्रह्मपुरी में जूतों का कारोबार करने वाले कपिल शर्मा बताते हैं कि योगी सरकार में ही कारोबार के लिए 20 लाख का लोन मिला। कानून–व्यवस्था की स्थिति बेहतर हुई है। भगतवपुरा के सब्जी विक्रेता हृदयेश कुमार जाटव कहते हैं, कोरोना के समय काम धंधा नहीं रहा। रोजगार का संकट हुआ तो सरकार ने फ्री राशन की व्यवस्था कर बड़ा सहारा दिया। शाहपीर गेट निवासी डॉ. मुशीर कहते हैं कि बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है, लेकिन कानून–व्यवस्था बेहतर हुई है। हालांकि, वह यह भी जोड़ते हैं कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ा है। करीमनगर के फरहान एम्ब्रॉयडरी का काम करते हैं। वे कहते हैं, युवाओं के रोजगार का मुद्दा सुलझाने में सरकार नाकाम रही है। वहीं, सराफ विशाल शर्मा को लगता है कि सरकार ने सुरक्षा का अहसास दिया है। आसपास की सीटों का समीकरण शहर से सटी कैंट सीट से भाजपा ने लगातार चार बार के विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल की जगह पूर्व विधायक अमित अग्रवाल पर दांव लगाया है। पास की ही दूसरी सीट मेरठ दक्षिण में भाजपा ने वर्तमान विधायक सोमेंद्र तोमर को ही उतारा है। ये सूरमा हैं मैदान में। सपा : रफीक अंसारी शिक्षा : 8वीं तक

मजबूती : 33 साल का सियासी अनुभव, मुस्लिम वोट, विवादों से दूर, सहज सुलभ। कमजोरी : क्षेत्र विकास से उपेक्षित, आंतरिक गुटबाजी, मुस्लिम वोटों का बिखराव रोकना चुनौती। भाजपा : कमलदत्त शर्मा शिक्षा : 7वीं तक मजबूती : पहली बार मैदान में। युवाओं का साथ। टीम वर्क वाले नेता। ध्रुवीकरण कराने में माहिर। कमजोरी : दबंग छवि, पार्टी में गुटबाजी। पुराने विवादों से जुड़े वीडियो हो रहे वायरल। बसपा : दिलशाद शौकत शिक्षा : 12वीं तक मजबूती : पहली बार चुनाव का लाभ। वर्तमान विधायक के प्रति नाराजगी। पार्टी का बूथ मैनेजमेंट।कमजोरी : दलित वोट बैंक कम है। मुस्लिम वोटों को बसपा के पक्ष में लाना चुनौती। कांग्रेस : रंजन शर्मा शिक्षा : साक्षर मजबूती : निगम कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष हैं। ब्राह्मण समाज की कई संस्थाओं से जुड़े हैं। कमजोरी : सियासत का अपेक्षाकृत कम अनुभव, पहली बार चुनाव मैदान में।

वाराणसी की जेल में क्षमता से तीन गुना अधिक बंदी : चुनावों को देख हर दिन वांछित हो रहे गिरफ्तार

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस की सख्ती बढ़ गई है। हर दिन वांछितों की गिरफ्तारी हो रही है। कश्नरेट और ग्रामीण इलाकों से अपराधियों को पकड़कर जेल में ठूंसा जा रहा है। उधर, क्षमता से तीन गुना अधिक बंदियों के होने से जेल प्रशासन भी हांफ रहा है। चुनाव नजदीक आते–आते जेल में और भी दबाव बढ़ने का अनुमान है। वहीं कोरोना काल के दौरान 50 बंदियों की क्षमता वाले एक बैरक में डेढ़–दो सौ बंदियों को रखा गया है। यह भी बंदियों के लिए संकट वाली स्थिति है। आचार संहिता लगने के बाद से पुलिस इतनी सख्त हुई कि चौकाघाट स्थित जिला जेल में इन दिनों हर रोज चार से पांच आरोपियों को दाखिल कराया जा रहा है। शराब तस्कर, असलहा तस्कर और वांछितों की गिरफ्तारी अभी भी थमी नहीं है और आने वाले दिनों में अन्य कई आरोपियों और मुकदमे में वांछितों को गिरफ्तार कर जेल में ठूंसने का ग्रामीण और कमिश्नरेट पुलिस के थानेदारों को टॉस्क दिया गया है। ऐसे में जिला जेल प्रशासन के लिए संकट वाली बात यह है कि जेल पहले से ही क्षमता से अधिक बंदी भरे हैं। 747 बंदियों की क्षमता वाले इस जेल में लगभग 2654 बंदी हैं। इसमें लगभग डेढ़ सौ महिला, 2500 पुरुष और 18 मासूम बच्चे भी अपने अभिभावकों के संग रह रहे हैं। जेल प्रशासन के लिए बंदियों की निगरानी भी भी चुनौती है। जेल में बंदी रक्षकों की संख्या भी

बंदियों की तुलना में काफी कम है। गाहे–बगाहे बंदियों के बीच कहासुनी और वर्चस्व को लेकर बैरक में मारपीट भी होती रहती है। हालांकि जेल प्रशासन का दावा है कि सभी बंदियों की देखरेख कड़ी निगरानी में होती है। हाई क्वालिटी के सीसी कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है। एक नजर –747 बंदियों की है जिला जेल की क्षमता। –2600 से अधिक है बंदी। –17 बैरकें हैं जिला जेल में। –50 बंदियों की है एक बैरक की क्षमता। –75 बंदीरक्षकों की है तैनाती। जिला जेल चौकाघाट के जेल अधीक्षक अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि जेल में बंदियों की कड़ी निगरानी होती है। सभी सीसी कैमरों को सक्रिय किया गया है। बैरकों में लगातार तलाशी अभियान चलता रहता है।

बाढ़ का दबाव कम करने के लिए खोदी थी नहर : फर्मों ने मनमानी तरीके से किया खनन : गंगा की तलहटी तक से निकाली बालू

वाराणसी ब्यूरो : काशी के घाटों पर गंगा के बढ़ रहे दबाव को कम करने के दावे के साथ खोदी गई नहर और उसके नाम पर खनिज उठान के टेंडर में मनमाने तरीके से काम किया गया है। करीब सात किलोमीटर लंबी नहर से निकले बालू के सात अलग–अलग लॉट को दिखाकर टेंडर किया गया। मगर, बाढ़ में लॉट बह गए तो खनन विभाग ने गंगा पार रेती पर बिना किसी औपचारिकता के क्षेत्र ही दे दिया। यही कारण है कि फर्मों ने लॉट की जगह खोदाई कर गंगा की तलहटी तक से बालू निकाल लिया है। दरअसल, मानसून से ठीक पहले गंगा में नहर बनाने के लिए ड्रेजिंग शुरू कराई गई। इस दौरान कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल ने आननफानन में खोदाई से निकल रहे बालू के लाट का खनन विभाग के जरिए टेंडर जारी करा दिया। नौ फर्मों में सात फर्मों को अलग–अलग लॉट दे दिए और यहां से बालू का उठान भी कराया गया। इसके बाद गंगा में आई बाढ़ में टेंडर वाला खनिज बह गया और पानी घटने के बाद विभाग की शह पर फर्मों ने अवैध खनन शुरू कर दिया। यही कारण है कि अलग–अलग घनमीटर के बालू उठान वाली फर्मों ने कई फीट गहरी तक खोदाई कर दी। यहां बता दें कि अवैध खनन में बिना रायल्टी के पट्टाधारकों ने मनमाने तरीके से गंगा किनारे गहरे गहरे गड्ढे बना दिए हैं। सबसे अहम बात यह है कि दिन रात चले इस अवैध खनन में किसी भी विभाग और अफसर ने निगरानी की जहमत नहीं उठाई। समयावधि समाप्त होने के बाद रेत में मशीनें गंगा पार रेती से बालू उठान के लिए पांच फर्मों की समयावधि दिसंबर में पूरी हो गई थी और एक फर्म की 27 जनवरी 2022 को पूरी हुई है। इस वक्त एक ही फर्म के पास लॉट उठाने की अनुमति है। बावजूद इसके जेसीबी और वाहनों की मदद से अलग–अलग क्षेत्रों में गुपचुप तरीके से अवैध खनन किया जा रहा है।

थाना पवारा पुलिस ने 04 किलो 150 ग्राम नाजायज गांजा के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध एंव अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मनोज कुमार मय हमराह द्वारा आज दिनांक 28.01.2022 समय करीब 10.40 बजे सुबह के चेकिंग सदिग्ध व्यक्ति / वाहन के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर भटेवरा मुख्य गेट के पास से अभियुक्त धीरज सिंह पुत्र स्व0 सूर्यवंश सिंह नि0 खाखोपुर थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को एक झोले में 04 किलो 150 ग्राम नाजायज गांजा के साथ पकड़ा गया था। अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त– 1. धीरज सिंह पुत्र स्व0 सूर्यवंश सिंह नि0 खाखोपुर थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर उम्र 26 वर्ष। बरामदगी – 1. 04 किलो 150 ग्राम गांजा नाजायज। आपराधिक इतिहासदृ 1.मु0अ0सं0–015/2019 धारा–147/323/379/427/504/506 भादवि व 3(1) द ध एससी/एसटी एक्ट थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर। 2. मु0अ0सं0–153/2020 धारा–323/504/506/354क भादवि व 17/18 पाक्सो अधिनियम थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर। 3. मु0अ0सं0–168/2019 धारा–279/337/338 भादवि थाना

सरायममरेज जनपद प्रयागराज। 4. मु0अ0सं0–011/2022 धारा– 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना पवारा जनपद जौनपुर। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम– 1.थानाध्यक्ष मनोज कुमार थाना पवाँरा जनपद जौनपुर। 2. उ0नि0 नन्दकिशोर शुक्ला थाना पवाँरा जनपद जौनपुर। 3. का0 रणविजय यादव थाना पवाँरा जनपद जौनपुर। 4. का0 सोनू चौहान थाना पवाँरा जनपद जौनपुर। 5. का0 भोलानाथ कन्नौजिया थाना पवाँरा जनपद जौनपुर। 6. का0 तेजबहादुर थाना पवाँरा जनपद जौनपुर।

जनपद के थानों द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 02 वांछित व 01 वारंटी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जनपद की कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने एवं अपराध/अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक जौनपुर, श्री अजय साहनी के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत जनपद के थानों द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 02 वांछित व 01 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिसका थानावार विवरण निम्न प्रकार है:– 1. थानाध्यक्ष सरपतहाँ संजय कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0–28/2022 धारा–323/304 भा0दं0वि0 थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर से संबन्धित वाछिंत अभियुक्तगण 1. राहुल पुत्र नन्दलाल 2. आराधना पत्नी राहुल निवासीगण गैरवाह नजोपुर थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर को अभियुक्तगण के घर गैरवाह नजोपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण राहुल, अराधना उपरोक्त का चालान मा0न्यायालय किया जा रहा है। 2. थानाध्यक्ष श्री दिव्य प्रकाश सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 अवधेश शुक्ला मय हमराह द्वारा वारंटी अभियुक्त बतौड़ी उर्फ रत्तीराम उर्फ रवि कुमार पुत्र जयंती प्रसाद निवासी डीहजहनिया थाना बक्शा जौनपुर अन्तर्गत धारा–128 द0प्र0सं0 थाना बक्शा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मिसेज इंडिया अर्थ रह चुकी श्वेता चौधरी पर पैसे हड़पने का आरोप : व्यापारी ने दर्ज कराया मुकदमा

वाराणसी ब्यूरो : मिसेज इंडिया अर्थ–2017 और स्वच्छ भारत की अंबेस्डर श्वेता चौधरी पर वाराणसी के मंडुवाडीह थाने में एक व्यापारी ने बकाया पैसे नहीं देने और विश्वास का आपराधिक हनन करने का मुकदमा दर्ज कराया है। व्यापारी के अनुसार, 15 लाख 73 हजार रुपये श्वेता चौधरी और उसके पति पर कालीन और साड़ी का बकाया है। व्यापारी की तहरीर के अधार पर वरुणा जोन के मंडुवाडीह थाने में श्वेता चौधरी और उसके पति अमित चौधरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कमिश्नरेट पुलिस तफ्तीश में जुट गई है। मंडुवाडीह थानाध्यक्ष ने इस संबंध में पुलिस की एक टीम भी मुंबई भेजने के लिए गठित की है। पुलिस के अनुसार, मंडुवाडीह थाना क्षेत्र की मीरा नगर कालोनी के चित्रगुप्त रेजीडेंसी निवासी राजीव वर्मा का साड़ी कारोबार है। वह मुंबई भी अक्सर आते–जाते रहते हैं। उनकी बेटी भी मुंबई में रहती है।व्यापारी राजीव के अनुसार वेस्ट मुंबई के स्पेस मलाड स्थित रूस्तममजी एलेंजा माइंड निवासी श्वेता चौधरी से पुराना व्यापारिक और घरेलू संबंध था। आरोप है कि उसी का फायदा उठाकर श्वेता ने अपने पति अमित चौधरी के लिए दो साल पूर्व दो लाख 81 हजार रुपये उधार लिए थे। यह रकम उनके एसएस इन्वेस्टमेंट के बैंक खाते में

दी गई थी।इसके बाद श्वेता और अमित चौधरी के कहने पर भदोही के कालीन कारोबारी के यहां से 9 लाख 77 हजार 508 रुपये की कालीन भी कुरियर के माध्यम से उनके मुंबई के पते पर भिजवाई। इसके साथ ही तीन लाख 15 हजार की साड़ी भी भेजी गई।आरोप है कि इसके बाद बकाया भुगतान और उधार दी हुई रकम का तगादा शुरू किया तो पहले आजकल कहते हुए टरकाते रहे, बाद में पैसे देने से ही दोनों मुकर गए। इसके बाद दोनों ने फोन पर गुस्से में गाली गलौज करते हुए कहा कि अब तुम्हारा पैसा नहीं मिलेगा।मंडुवाडीह थानाध्यक्ष और मुकदमे के विवेचना अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसकी जांच को एक टीम जल्द ही मुंबई भी भेजी जाएगी। उन दोनों आरोपियों से मोबाइल पर बातचीत भी नहीं हो पा रही है।

नवजात को फेंकने पर केस दर्ज पर कार्रवाई नहीं : एसएसपी के आदेश पर किया था मुकदमा

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के गुलरिहा इलाके के सियारामपुर गांव में दुर्गा मंदिर के पास नवजात जिंदा बच्ची को फेंकने के मामले में केस तो दर्ज किया गया, लेकिन, कार्रवाई नहीं हो रही है। 10 दिन बाद भी पुलिस खाली हाथ हैं। पुलिस अब तक इस मामले में जांच के नाम पर सिर्फ घटना के सात दिन बाद यानी 24 जनवरी को प्रत्यक्षदर्शियों का बयान ही दर्ज कर सकी है। इसके आगे पुलिस की जांच न तो बढ़ी है और न ही पुलिस की इसमें दिलचस्पी नजर आती है। पुलिस की इस कार्रवाई से गांव में आक्रोश का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, 18 जनवरी को सियारामपुर में नवजात बच्ची मिलने के बाद पुलिस पहुंची थी। मेडिकल चेकअप के बाद पुलिस ने उसे चाइल्ड लाइन भेज दिया था। 19 जनवरी को गांव की प्रधान चंदा निषाद ने केस दर्ज करने के लिए तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस केस दर्ज नहीं कर रही थी। 21 जनवरी को एसएसपी के आदेश के बाद केस दर्ज किया गया था। विवेचना सरहरी चौकी इंचार्ज शैलेंद्र कुमार शुक्ला को सौंपी गई है, लेकिन जांच के नाम पर सिर्फ खानापूरी ही की जा रही है। गांव में बच्ची

को फेंका जाना ग्रामीणों को खटक रहा है और अपने स्तर से वे यह पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ऐसी हरकत किसने की है? ग्रामीण फिक्रमंद है तो पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। अब ऐसे में लगता यही है कि जब तक कोई आला अफसर हस्तक्षेप नहीं करेगा, तब तक पुलिस इसमें कार्रवाई नहीं करने वाली है। प्रधान प्रतिनिधि हनुमान निषाद ने कहा कि इस प्रकरण में पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। अब तक बच्ची के बारे में कोई जानकारी पुलिस हासिल नहीं कर सकी है। इसकी शिकायत एसएसपी सहित अन्य आला अफसरों से करेंगे। सरहरी चौकी प्रभारी (विवेचक) शैलेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि मामले की जांच जारी है। कुछ लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने कहा कि प्रकरण में अब तक की गई जांच की पूरी जानकारी लेकर कार्रवाई कराई जाएगी।

एक लड़की की चाहत में ही कुदाल से की गई थी दोस्तों की हत्या

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के झंगहा के नौकाबारी गांव में दो दोस्तों की हत्या का सबब एक लड़की ही बनी। दोनों हत्यारोपी पुलिस के कब्जे में हैं, मगर कानूनी औपचारिकताओं के चलते पुलिस ने अभी इनकी पहचान पर पर्दा डाल रखा है। पुलिस की तफ्तीश में खून से सनी इस प्रेम कहानी की सभी पर्तें खुल गईं है। संक्षेप में कहानी कुछ ऐसी है कि एक लड़की से एक लड़के को प्यार था। लड़की ने किन्हीं कारणों से उससे किनारा कर लिया और दूसरे लड़के की चाहत बन गई। पहले लड़के को यह इस कदर नागवार गुजरा कि उसने दूसरे लड़के को अपने एक साथी की मदद से मौत के घाट उतार दिया। इस कहानी में पहला लड़का अब इस केस का मुख्य आरोपी है। दूसरा लड़का मौत का शिकार हुआ, आकाश जायसवाल है। दुर्भाग्य से आकाश के साथ रहने की वजह से गणेश को नाहक ही अपनी जान गंवानी पड़ी। आरोपितों ने दोनों को मौत के घाट उतारने के लिए जिस कुदाल का इस्तेमाल किया था, वह भी पुलिस ने बरामद कर ली। मुख्य आरोपी की कुंडली पुलिस ने खोली तो पता चला कि इस वारदात से पहले, वह दुष्कर्म की घटना अंजाम दे चुका था। इस आरोप में वह कुछ महीने पहले ही जमानत पर छूटकर बाहर आया था। गहरी दोस्ती बनी मौत की वजह जानकारी के मुताबिक, हत्यारोपी आकाश के गांव का ही रहने वाला है। इस गांव में आरोपी की ननिहाल है। इस घटना की उत्प्रेरक लड़की का गांव, हत्यारोपी और मौत के शिकार आकाश के गांव से करीब छह किलोमीटर दूर है। हत्यारोपी से इस लड़की की गहरी दोस्ती थी। करीब 11 महीने तक लड़की के साथ वह रहा भी था। लेकिन, बाद में दोनों की जाति अलग होने की जानकारी हुई तो घरवालों के कहने पर लड़की ने रिश्ता तोड़ लिया था। लड़की ने हत्यारोपी का नंबर मोबाइल में ब्लैक लिस्ट में डाल दिया और बातचीत भी बंद कर दी। इसी बीच लड़की के संबंध आकाश से हो गए थे। आरोपी ने आकाश को उस लड़की से दूर रहने की हिदायत दी, लेकिन आकाश ने नजर अंदाज कर दिया। इस पर आरोपी ने अपने एक साथी को हमराज बनाया और आकाश के कत्ल की साजिश रच डाली। गांव के पास ही जेसीबी से किसी ने मिट्टी का खनन कराया था। साजिश के तहत इसी में हत्या कर शव को ठिकाने लगाना तय किया गया। आरोपी ने आकाश को बुलाया और उसके हाथ बांध दिए, गड्ढे में धकेलकर वे उसे मारने वाले ही थे कि आकाश की तलाश करते उसका दोस्त गणेश भी वहां पर पहुंच गया, फिर कातिलों ने उसके हाथ भी बांध दिए। दोनों को गड्ढे में धकेलकर, सिर पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दोनों को मौत के घाट उतार दिया गया। चूंकि, हत्या की घटना गड्ढे में ही अंजाम दी गई, इसलिए ऐसा लगा कि हत्या कहीं और करके लाश वहां ठिकाने लगाई गई है। हालांकि, आरोपितों के बयान से सब साफ हो गया। जेल में हत्यारोपी की हुई थी लड़की के मां–बाप से मुलाकात लड़की के पिता का विवाद अपनी बहू से हो गया था। विवाद के दौरान ही बहू को धक्का दे दिया था और सिर पर चोट लगने की वजह से उसकी मौत हो गई थी। साल 2020 में हुई इस घटना में बहू की हत्या के आरोप में सास–ससुर (लड़की के मां–बाप) आरोपी बने और उन्हें पुलिस ने जेल भेजा था। इधर, मुख्य हत्यारोपी भी गांव की एक लड़की से दुष्कर्म के आरोप में जेल भेजा गया था। जेल में ही दोस्तों की हत्या के आरोपी की मुलाकात लड़की के मां–बाप से हो गई। दुष्कर्म के आरोप में बंद युवक (दोस्तों की हत्या का मुख्य आरोपी) बाद में जमानत पर बाहर आ गया। इसके बाद मां–बाप की रजामंदी पर लड़की युवक के साथ ग्यारह महीने तक रही। जाति की जानकारी होने पर टूट गया रिश्ता जमानत पर लड़की के मां–बाप जब बाहर आए, तब उन्हें युवक के जाति के बारे में जानकारी हुई। दरअसल, वर्तमान में हत्यारोपी अपने ननिहाल में रहता है। वह मूलरूप से देवरिया के रामपुर कारखाना का रहने वाला है। यही वजह है कि लड़की के घरवालों को उसके जाति की जानकारी पहले नहीं थी। बाहर आने पर गांव से जब युवक के जाति के बारे में जानकारी हुई तो लड़की के घरवालों ने रिश्ता तोड़ दिया। लड़की ने भी अपने घरवालों की बात मानते हुए उससे किनारा कर लिया। ग्लव्स पहन की थी हत्या, मांग कर लाया था कुदाल हत्यारोपी इतना शातिर है कि ग्लव्स पहनकर उसने वारदात को अंजाम दिया। इसके पीछे उसकी मंशा थी कि फिंगर प्रिंट ना मिलने पाए। इतना ही नहीं कुदाल भी गांव से मांग कर लाया था। वारदात करने के बाद उस पर फिंगर प्रिंट ना आए, इसके लिए उसे वाशिंग पाउडर से धोकर दे आया था। ग्लव्स को भी उसने पानी में फेंक दिया था। शातिर बदमाश ने मौका–ए–वारदात पर फुट प्रिंट न मिले, इससे बचने के लिए पानी का इस्तेमाल किया था। गड्ढे के पास ही पानी है, हत्या के बाद सीधे उसी में छलांग लगाई थी और उसी रास्ते गया, ताकि कहीं पर भी फुट प्रिंट ना मिल सके। अमर उजाला ने हत्या के वजह की ओर कर दिया था इशारा अमर उजाला ने पहले दिन से ही हत्या की वजह की ओर इशारा कर दिया था। जिस तरह से शवों को दफनाया गया था, उसका विश्लेषण कर अमर उजाला ने बताया था कि कातिल गांव का ही कोई है। गणेश नाहक ही मारा गया, यह भी संकेत कर दिया था। कातिल कम से कम दो होंगे। अब पुलिस की तफ्तीश में यह सब बात सही साबित हो रही है। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने कहा कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। उम्मीद है, जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर लिया जाएगा।

काशी विश्वनाथ धाम में सजेगी सिया के राम की झांकी, नौ दिन के आयोजन में विविध कार्यक्रम

वाराणसी ब्यूरो : काशी विश्वनाथ धाम में भगवान शिव के आराध्य, अखिल ब्रह्मांड नायक, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की झांकी सजेगी। मानस मर्मज्ञ बाबा विश्वनाथ को भगवान राम की कथा सुनाएंगे। नौ दिन के आयोजन में विविध कार्यक्रम भी होंगे। यह जानकारी काशी सत्संग मंडल के संरक्षक आचार्य सूर्य लाल शास्त्री ने शुक्रवार को सिद्धगिरी बाग स्थित ब्रह्म निवास में दी। बताया कि मानस नवाह्न परायण ज्ञान महायज्ञ का उद्घाटन

आठ फरवरी और विश्राम 16 फरवरी को होगा। शोभायात्रा 17 को निकलेगी। उद्घाटन शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती एवं समापन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महानिर्वाणी अखाड़े के महासचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी करेंगे। आठ फरवरी को मां शृंगार गौरी के पूजन के साथ श्रीगणेश होगा। पूजन अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती करेंगे। नौ फरवरी को श्रीराम जन्मोत्सव, 10 फरवरी को श्रीराम विवाह उत्सव, 15 फरवरी को श्री राम रावण युद्ध की झांकी और 16 फरवरी को श्री राम राज्याभिषेक होगा। भक्ति किरण शास्त्री करेंगी कथा वाचन प्रतिदिन शाम को मानस की कथा का वाचन कथावाचक भक्ति किरण शास्त्री द्वारा किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी, मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, केराकत के विधायक दिनेश चौधरी एवं डॉ. नंदिनी गुप्ता सारस्वत अतिथि होंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र पाठक, महामंत्री राधेश्याम लोहिया, उपाध्यक्ष एलएन कपूर, कोषाध्यक्ष गोपीनाथ सर्राफ एवं व्यवस्था प्रमुख शिवेंद्र पाठक को बनाया गया है।

चुनाव में खलल डालने के लिए आ रही असलहों की खेप : चलाया जा रहा विशेष अभियान

गोरखपुर ब्यूरो : चुनाव का विगुल बजते ही असलहों के साथ गिरफ्तारी कई सवाल खड़े कर रही है। सवाल उठता है कि क्या असलहे चुनाव में खलल डालने के लिए मंगाए जा रहे थे या फिर इस समय ही पुलिस जागी है। वजह जो भी हो इतना तो साफ है कि जिस तरह असलहे यहां पकड़े जा रहे हैं, उसमें पुलिस ने सतर्कता न बरती तो किसी अप्रिय घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। वैसे पुलिस ने महज 14 दिनों में 27 असलहे बरामद कर 30 बदमाशों को जेल भेजा है। जानकारी के मुताबिक, एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए अवैध असलहे, कच्ची शराब आदि के खिलाफ विशेष अभियान चलवाया है। इसका असर यह है कि कई हिस्ट्रीशीटर पकड़कर जेल भेजे गए तो जमानत पर छूटे बदमाशों की निगरानी भी की जा रही है। इसी अभियान में पुलिस ने बीते दिनों में कई बदमाशों को असलहों के साथ पकड़ा है। इनमें कई ऐसे भी हैं, जो किसी गैर जनपद में अपराध किए थे और इन दिनों यहां पर असलहा लेकर घूम रहे थे। हालांकि, पुलिस उस तह तक नहीं पहुंच पाई है कि असलहों को किसने और क्यों मंगवाया था। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए ज्यादातर बदमाश पेशेवर हैं, जो रुपये के लिए किसी के हाथों इस्तेमाल हो सकते हैं। बंगाल तक तस्करी का मामला पकड़ा जा चुका है गोरखपुर से पश्चिम बंगाल तक असलहों की तस्करी का मामला भी पकड़ा जा चुका है। गोरखपुर पुलिस ने बंगाल के दो युवकों को गिरफ्तार कर इसकी पुष्टि की थी, लेकिन इसका असल आरोपित अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगी है। उसके पकड़े जाने के बाद पूरे नेटवर्क के खुलने की उम्मीद है। सात से नौ हजार रुपये में बेचे जाते हैं असलहे नए युवक हो या छोटे बदमाश, इनमें असलहों का क्रेज होता है। शौकीन युवाओं को पेशेवर बदमाश अपना निशाना बनाकर सात से नौ हजार रुपये में बेच देते हैं। बिहार से लाए जाते हैं असलहे लंबे समय से गोरखपुर में बिहार के मुंगेर से असलहे आते हैं। बीच में आजमगढ़ से भी असलहे आने की पुष्टि हुई थी। तीन से चार हजार रुपये में बिहार में तमंचा मिल जाता है। वहीं देशी पिस्टल 10 हजार में मिलते हैं फिर उसे लाकर गोरखपुर और आसपास में बेचकर बदमाश अपनी जेब भरते हैं। दूसरे उससे अपराध भी करते हैं। एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जो भी बदमाश अवैध असलहे के साथ पकड़े जाते हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अभियान में पुलिस को अच्छी कामयाबी भी मिली है। पुलिस को सख्ती से कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। हाल के दिनों में असलहों की बरामदगी 27 जनवरी : गोला पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर दो तमंचे बरामद किए 25 जनवरी : गोला पुलिस ने सूरज यादव को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया 23 जनवरी : गुलरिहा पुलिस ने संदीप प्रजापति को तमंचे के साथ पकड़ा 23 जनवरी : कैंट पुलिस ने गैंगस्टर आरोपी शेर मोहम्मद को तमंचे के साथ पकड़ा 22 जनवरी : गगहा पुलिस ने तीन बदमाशों को तमंचों के साथ गिरफ्तार किया 22 जनवरी : बेलघाट पुलिस ने तमंचे के साथ जितेंद्र को गिरफ्तार किया 21 जनवरी : कैंट पुलिस ने साहिबे आलम को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया 21 जनवरी : बांसगांव पुलिस ने रोशन यादव को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया 20 जनवरी : खोराबार पुलिस ने विपिन मिश्रा को तमंचा के साथ पकड़ा 20 जनवरी : रामगढ़ताल पुलिस ने हफीर्जुर रहमान और राजकुमार को एक–एक तमंचे के साथ पकड़ा 20 जनवरी : गगहा में हिस्ट्रीशीटर चंदन यादव तमंचा के साथ पकड़ा गया 20 जनवरी : पिपराइच पुलिस ने अरविंद को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया 19 जनवरी : चिलुआताल पुलिस ने आसिफ को तमंचा के साथ पकड़ा 19 जनवरी : खोराबार पुलिस ने श्रीराम पासवान को तमंचा के साथ पकड़ा 19 जनवरी : कैंट पुलिस ने विभेष्ज कुमार को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया 18 जनवरी : रामगढ़ताल पुलिस ने पप्पू निषाद को तमंचा के साथ पकड़ा 18 जनवरी : शाहपुर पुलिस ने भोला मौर्या को तमंचा के साथ पकड़ा 18 जनवरी : गुलरिहा पुलिस ने सफीक को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया 18 जनवरी : झंगहा पुलिस ने मंजेश को तमंचे के साथ पकड़ा 18 जनवरी : कैंपियरगंज पुलिस ने सन्नी को तमंचे के साथ पकड़ा 17 जनवरी : चौरीचौरा पुलिस ने मुन्न यादव को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया 16 जनवरी : गीडा पुलिस ने मंटू निषाद को तमंचा के साथ पकड़ा 16 जनवरी : तिवारीपुर पुलिस ने विशाल साहनी को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया 16 जनवरी : सहजनवां पुलिस ने नीरज मिश्रा के पास से तमंचा बरामद किया 15 जनवरी : राजघाट पुलिस ने पिस्टल के साथ सैयद सादान को पकड़ा 13 जनवरी : गीडा पुलिस ने इन्छल को तमंचा के साथ पकड़ा 13 जनवरी : राजघाट पुलिस ने शिवा को तमंचा के साथ पकड़ा।

75 प्रतिशत के पार पहुंचा रिकवरी रेट : संक्रमण दर में उतार चढ़ाव जारी : आज मिले 287 नए केस

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या के साथ ही संक्रमण दर में भी पिछले कई दिनों से उतार चढ़ाव बना हुआ है। तीन दिन पहले तक संक्रमण दर सात प्रतिशत थी जबकि शुक्रवार को यह पांच फीसदी पहुंच गई। रिकवरी रेट में दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। इधर शुक्रवार को कोरोना से एक मरीज की मौत हुई है जबकि 287 नए मरीज मिले हैं। कोरोना संक्रमित नए मरीजों की संख्या में जिस तरह से कमी आती जा रही है, उससे स्वास्थ्य विभाग राहत की सांस ले रहा है लेकिन कोरोना से मौत का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। पिछले 10 दिन में सात मरीजों की मौत हो गई। वैसे जो भी हो, जहां एक समय संक्रमण दर 8 से 10 प्रतिशत तक पहुंच गई थी वहीं अब यह घटकर पांच प्रतिशत पर आ गई है। होम आइसोलेशन में स्वस्थ होने वालों के साथ ही अब डिस्चार्ज होने वालों की संख्या भी बढ़ी है। यही कारण है कि रिकवरी रेट भी बढ़ा है। हाइपरटेंशन के एक मरीज ने बीएचयू अस्पताल में तोड़ा दम शुक्रवार को ठिठोरी महाल अर्दली बाजार निवासी 65 वर्षीय जिस पुरुष की मौत बीएचयू अस्पताल में हुई है, उसे कोरोना संक्रमण के साथ ही हाइपरटेंशन, लिवर संक्रमण की भी शिकायत थी। इसके साथ ही शुक्रवार को 529

मरीजों को होम आइसोलेशन में स्वस्थ घोषित किया गया और अस्पताल से दो मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। अब तीसरी लहर में कुल 10671 मरीजों में 8247 के डिस्चार्ज, सात की मौत के बाद 2417 एक्टिव मरीज हैं। शारजाह की उड़ान भरने पहुंचे 15 यात्री संक्रमित वाराणसी एयरपोर्ट पर शुक्रवार को आरटीपीसीआर टेस्ट में 15 यात्री संक्रमित पाए गए। इन्हें टर्मिनल के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने यात्रियों को कोविड गाइडलाइन का पालन कर होम आइसोलेट होने को कहा। शारजाह के लिए उड़ान भरने के लिए 119 यात्री एयरपोर्ट पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर संक्रमण से बचाव को लेकर टर्मिनल के बाहर प्रस्थान कक्ष के बगल में ही काउंटर पर रैपिड आरटीपीसीआर टेस्ट किया जा रहा है। सुबह साढ़े दस से अपराह्न साढ़े तीन बजे तक परीक्षण में 119 यात्रियों की जांच की गई।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कार्मिको के होम आइसोलेशन की समय सीमा संशोधित किए जाने के लिए मुख्य सचिव को लिखा पत्र

लखनऊ ब्यूरो : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कार्मिको के होम आइसोलेशन की समय सीमा संशोधित किए जाने के लिए मुख्य सचिव को पत्र लिखा । लखनऊ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश में कोविड–19 संक्रमण की दशा में फ्रंटलाइन कर्मचारियों को 14 दिन का होम आइसोलेशन अवकाश दिए जाने हेतु मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है । परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा का कहना है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कर्मचारियों द्वारा फोन करो बात कराया जा रहा है कि कोबिट संक्रमित होने के 7 दिन के बाद भी उन्हें अस्वस्थ होने की दशा में मजबूरी में ड्यूटी ज्वाइन करना पड़ रहा है जबकि जांच कराने पर वह फिर से पोसिटिव आ रहे हैं । ज्यादातर यह देखा जा रहा है कि मरीज 7 दिन में स्वस्थ नहीं हो रहा है और जो लक्षणयुक्त मरीज है 7 दिन बाद भी उन्हें लक्षण पूरी तरह समाप्त नहीं हो रहे हैं ।लेकिन वो 7 दिन बाद कार्यस्थल पर जा रहे हैं, ऐसी स्थिति में जो स्वस्थ कर्मचारी हैं उनके भी संक्रमण किए का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है । श्री मिश्रा ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि चिकित्सालय आदि में कार्यरत फ्रंटलाइन वर्कर वर्तमान में अधिकांशतः कोविड संक्रमित हो रहे हैं । गाइड लाइन में व्यवस्था दी गई है कि 7 दिन के संगरोध के उपरांत उसे अपनी ड्यूटी पर आना है और उन्हें दोबारा तज–चबत कराने की आवश्यकता नहीं है । परंतु ज्यादातर मामलों में यह देखा जा रहा है कि 7 दिन बाद भी शारीरिक परेशानियां समाप्त नहीं हो रही है और तजचबत कराने पर कार्मिक नेगेटिव नहीं पाया जा रहा है, ऐसे समय पर यदि कार्मिक द्वारा अपने विभागाध्यक्ष को अवगत कराया जाता है तो वे स्वयं असमंजस की स्थिति में हैं कि 7 दिन बाद भी कोविड पोसिटिव होने की स्थिति में कार्य करना है अथवा नहीं ? और उनको अवकाश अनुमन्य होगा अथवा नहीं ? इस विषय पर संदेह बना हुआ है और ज्यादातर कार्मिक पॉजिटिव होने की दशा में ही कार्य पर आ रहे हैं और संभवतः यह भी एक कारण है कि चिकित्सालय आदि के कर्मचारी बड़ी संख्या में संक्रमित होते जा रहे हैं । ज्ञातव्य है कि पूर्व में कार्मिकों को 14 दिन का संगरोध अवकाश स्वीकृत किया जाता था । परिषद के प्रमुख उपाध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि यदि कोई पॉजिटिव या संक्रमित कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर आकर अन्य कार्मिकों के साथ कार्य करता है तो यह विभिन्न नियमों एवं मानवीय मूल्यों के भी प्रतिकूल है । अतः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मुख्य सचिव से अनुरोध कियाः है कि यदि कोई कार्मिक विशेष तौर पर चिकित्सालयो में कार्य करने वाले कार्मिक 7 दिन के उपरांत भी अस्वस्थ होने की दशा में तज–चबत में पोसिटिव होते हैं तो उनका संगरोध अवकाश अगले 7 दिन तक बढ़ाए जाने हेतु गाइडलाइन जारी करने का कष्ट करें, जिससे जो कार्मिक अभी तक कोविड–19 संक्रमण से बचे हुए हैं, उन्हें बचाए रखा जाए और जनता का कार्य प्रभावित ना हो ।

अयोध्या के सभी सीटो पर भाजपा का टिकट घोषित होने के बाद जिले की चुनावी तस्वीर हुई साफ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले की सभी पांचों विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने मैदान में सभी पुराने प्रत्याशियों को एक बार फिर मौका देकर अपने गढ़ में अपनी विजय के पत्ते खोल दिए हैं।वही दो विधानसभा क्षेत्रों गोसाईगंज और बीकापुर में बस नाम ही बदले हैं।यहां भी चुनाव यहां पार्टी के पुराने चेहरों पर ही लड़ा जाना हैस इस तरह अब जिले का चुनावी परिदृश्य स्पष्ट दिखने लगा है।वैसे अगर देखा जाय तो अयोध्या जिले में कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बनता बन रहा है, वहीं अयोध्या सदर सीट पर समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन के सामने पुराने प्रतिद्वंद्वी वर्तमान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता हैं।कांग्रेस, बसपा और आप ने अभी यहां पत्ते नहीं खोले हैं।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से सूर्यकान्त पाण्डेय चुनाव लड़ेंगे।यहां सीधा मुकाबला सपा और भाजपा का ही होगा। भाजपा को जहां वैश्यों, कायस्थ, क्षत्रिय और निषाद मतों के साथ ब्राह्मण वोटों का भरोसा है,वहीं सपा मुस्लिम, यादव के साथ अन्य पिछड़ी जाति और प्रत्याशी के सजातीय समीकरण के बल पर मैदान मारने के प्रयास में है। सरयू अयोध्या की पल–पल की गवाह है और एक बार फिर विधानसभा चुनाव की गवाह रहेगी और सरयू अयोध्या की पल–पल की गवाह है और एक बार फिर विधानसभा चुनाव की गवाह रहेगी। गोशाईगंज में आरती व अभय में सीधी टक्कर होगी, वही गोसाईगंज सीट पर भाजपा ने यहां से विधानसभा चुनाव जीतने वाले इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू की पत्नी आरती तिवारी को टिकट दिया है।और एक दिन पहले ही खब्बू के पूर्व प्रतिद्वंद्वी पूर्व विधायक अभय सिंह ही मैदान में हैं। दोनों ही बाहुबली हैं और इन्हीं दोनों में सीधी टक्कर है । अभय सिंह के सामने सजातीय मतों को सजोने की चुनौती है। वही बसपा और कांग्रेस ने अभी इस सीट पर अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं, बीकापुर में त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति पैदा हो गयी है।जबकि बीकापुर सीट पर समाजवादी पार्टी ऊहापोह में है।सपा पैतृक विरासत पर राजनीति कर रहे आनंदसेन के पीछे हटने और चुनाव क्षेत्र बदलने के दबाव से उलझन में है। नए परिसीमन ने आनंदसेन यादव का

ही नहीं पूरे सेन परिवार का चुनावी गणित बिगाड़ दिया है। यहां उनका मुकाबला पैतृक विरासत वाले भाजपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री स्व. मुन्ना सिंह चौहान के पुत्र डा. अमित सिंह से है जो सोहावल क्षेत्र के जुड़ने से और अधिक प्रभावी हैं, वहीं बसपा से ब्राह्मण प्रत्याशी आने की संभावना ने स्थिति उनके प्रतिकूल कर दी है। रही सही कसर कांग्रेस ने अखिलेश यादव को यहां से टिकट दे कर पूरी कर दी है।सपा के लिए यहां की राह आसान नहीं रह गई है क्योंकि बीकापुर के पूर्व विधायक परशुराम यादव की पुत्री रोली भी टिकट की दावेदार है और एक मुस्लिम व्यापारी भी टिकट की लाइन में है।वही मिल्कीपुर सुरक्षित से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद मैदान में हैं।भाजपा ने वर्तमान विधायक गोरखनाथ पर ही भरोसा जताया है, जबकि बसपा ने नये चेहरे संतोष कुमार उर्फ सूरज चौधरी को मुकाबले में खड़ा किया है। यहां लड़ाई किसी के लिए आसान नहीं है। रुदौली में सीधी नहीं है संघर्ष, सबको तंग करेगी बसपा रुदौली में सपा से पिछले चुनाव के चिर परिचित चेहरे अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां हाल ही में अस्वस्थ हो गए थे।उन्हें बदले जाने की मुहिम सपाई ही चला रहे हैं और बीकापुर छोड़ आनंदसेन रुदौली से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं,जबकि भाजपा ने दो बार लगातार यह सीट जीतने वाले रामचंद्र यादव का टिकट बरकरार रखा है।बसपा ने यहां से रसूखदार चौधरी परिवार के चौधरी शहरयार को टिकट दिया है। इसके पहले भी बसपा यहां अन्य दलों को कड़ी चुनौती देती रही है।चौधरी शहरयार सपा और बसपा दोनों ही दलों की चुनावी राह में बड़ी अड़चन रहेंगे। यहां सीधा संघर्ष नहीं रहेगा।

कूड़े का ढेर व गंदगी जिला चिकित्सालय अयोध्या की बनी मुख्य पहचान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) वर्तमान समय में केंद्र व राज्य सरकार जहां एक ओर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने का कार्य कर रही है वहीं दूसरी ओर राम नगरी अयोध्या में जिला अस्पताल में चाही ओर गंदगी ही गंदगी दिखाई पड़ रही है।वही चिकित्सालय परिसर में लावारिस कुत्ते भी घूमते हुये नजर आयेगे।जो इस अस्पताल के कर्मचारियों व अधिकारियों की पोल खोलती नजर रही है।अभी जहां एक ओर 73 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले के आला अधिकारी जिला अस्पताल परिसर में खुद जाकर मरीजों व उनके तीमारदारों से मुखातिब हुए और उनकी समस्याओं को जाना।तो सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि इस अस्पताल की प्रमुख पहचान गंदगी ही है।उन लोगों ने बताया कि इस समय जिला अस्पताल में स्थित शौचालय की दशा काफी दयनीय है।जहाँ एक ओर इस शौचालय के ठीक से साफ सगाई न होने के चलते यहाँ गंदगी ही है वही इसी कडीध में यहाँ ऊपर से गंदा पानी वहां पर अंदर जाने वाले लोगों के ऊपर गिरता है।जिससे काफी परेशानी होती है।यहां तक कि अगर कोई किसी वार्ड के अलावा किसी शौचालय में जाना चाहे तो उसका सबसे पहले स्वागत कूड़े का ढेर वह गंदगी से होता है। जबकि केंद्र में मोदी सरकार के साथ–साथ प्रदेश में योगी सरकार स्वच्छता के प्रति काफी सजग दिखाई दे रहे हैं।परंतु इसके विपरीत अयोध्या स्थित जिला अस्पताल में हो रहा है ना तो यहां पर सफाई दिखाई पड़ती है और ना ही यहां पर अन्य सुविधाएं।वही नाम ना छापने पर कई मरीजों व उनके परिजनों ने बताया कि यहां तक की हम लोगों से यहां चिकित्सक भी इलाज के लिए दवाई भी बाहर से लिखते हैं।जबकि मालूम हो कि योगी सरकार के दिशा निर्देश पर जिले के

जिलाधिकारी कई बार अचानक इस चिकित्सालय में आकर निरीक्षण भी करते है।इस निरीक्षण में भी तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कई चिकित्सकों को बाहर की दवाएं लिखते हुए पाया भी था तो उस समय उन चिकित्सकों को कड़ी फटकार लगाई थी।वहीं इसी कड़ी में इस चिकित्सालय में सक्रिय दलालों के दखल से मरीजों व उनके परिजनों का भी काफी शोषण हो रहा है।देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र व नवभारत चेतना न्यूज चौनल के ब्यूरो चीफ राजेश श्रीवास्तव जब अपनी टीम के साथ इस चिकित्सालय में पहुंचे तो सबसे पहले वहां पर अति संवेदनशील वार्ड बच्चा वार्ड में कुत्ते टहलते हुये दिखे।परंतु इस पर ध्यान देने वाले इस चिकित्सालय के कर्मी नहीं दिखाई देते नजर आ रहे है।वहीं इसी कड़ी में शौचालय के सामने रखा कूड़े का ढेर और शौचालय के ऊपर से गिरता पानी भी यहां की प्रमुख समस्या है। जिसके चलते यहां पर भर्ती होने वाले मरीज व उनके परिजनों ने चिकित्सालय के अधिकारियों व कर्मचारियों पर आरोप लगाया कि इन कर्मियो के लापरवाही के चलते हम लोगों को खामियाजा भुगतना पड़ता है।अब देखना यह है कि जिला चिकित्सालय की इस समस्या पर इस चिकित्सालय से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों की नींद कब खुलती है।यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

कोतवाली नगर से लापता युवती की गुमशुदगी हुई दर्ज

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जनपद के जनौरा मोहल्ले में रहने वाले परिवार की युवती अर्पिता (काल्पनिक नाम) जो कि शहर के ही नाका स्थित एक मार्ट पर काम करती थी।उनके परिजनो के मुताबिक वह संदिग्ध अवस्था में गायब हो गई।युवती के पिता रामेश्वर (काल्पनिक नाम)ने कोतवाली नगर में अज्ञात के खिलाफ तहरीर देते हुये लिखा कि उसकी बेटी 21 जनवरी को नाका स्थित मार्ट पर काम करने गई पर शाम को वहां से निकलने के बाद घर नहीं पहुँची। तहरीर में उसने बेटी को अज्ञात युवक पर बहला फुसला कर भगा लेने जाने की बात कही है।उसके पिता की तहरीर पर नगर कोतवाली में युवती की गुमशुदगी दर्ज करते हुये अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बताते चले कि गुमशुदा के परिजन मुख्यरूप से जनपद अयोध्या के तहसील मिल्कीपुर की स्थानीय निवासी हैं।सूत्र के मुताबिक उक्त युवती का परिवार नगर कोतवाली क्षेत्र के जनौरा मोहल्ले में किराये पर कमरा लेकर रहता है।

फार्च्यूनर कार अनियंत्रित होकर घुसी तालाब में : एक की मौत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) पड़ोसी जनपद गोंडा के तरबगंज क्षेत्र में दावत में गये लोगों की फॉर्च्यूनर कोहरे के चलते तालाब में जा घुसी।जिला अस्पलाल लाये जाने पर डाक्ट्रिन ने ऑटो पार्ट्स कारोबारी को मृत घोषित कर दिया। एक घायल को गंभीर हाल में लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। हादसा ढेमवाघाट के पास का है।बताया गया कि शहर के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित आनंद बिहार कालोनी निवासी ऑटो पार्ट्स कारोबारी 48 वर्षीय राम गोपाल अग्रहरि पुत्र स्व. बलिहारी श्याम अग्रहरि गुरूवार को अपनी पुत्री से मिलने लखनऊ गये हुये थे। उनके साथ कोतवाली क्षेत्र के मकबरा निवासी विजय गुप्ता और नाका चुंगी निवासी बबलू जायसवाल भी थे।राम गोपाल के भाई दिलीप कुमार अग्रहरि ने बताया कि देर शाम सभी वापस फैजाबाद आ रहे थे।इसी बीच पड़ोसी जनपद गोंडा के तरबगंज थाना क्षेत्र निवासी उनके एक मित्र ने दावत में आने का दबाव बनाया। पहले तो उनके भाई ने मौसम खराब होने और कोहरे का हवाला देकर इंकार किया लेकिन जोर देने पर जाने को राजी हो गये। भाई समेत सभी फॉर्च्यूनर वाहन से दावत में जा रहे थे कि इसी दौरान गुरूवार की रात लगभग साढ़े 11 बजे जनपद की सीमा पर सरयू नदी स्थित ढेमवाघाट पुल को पार कर वह लोग आगे बढ़े ही थे कि घने कोहरे के चलते फॉर्च्यूनर कार सड़क किनारे स्थित लालब में जा घुसी। हादसे के लगभग ढाई घंटे बाद उन लोगों को मामले की जानकारी हुई तो भागकर मौके पर पहुंचे और सभी को लेकर जिला अस्पताल आये।शुक्रवार की भोर जिला अस्पताल के डाक्टरों ने उनके भाई नाम राम गोपाल अग्रहरी को मृत घोषित कर दिया। जबकि विजय गुप्ता निवासी मकबरा की हालत गंभीर होने के चलते उनको उपचार के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वहीं बबलू जायसवाल निकट नाका चुंगी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। जिला अस्पताल के इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि तीनों को भोर 4 बजे जिला अस्पताल लाया गया।जाँच के बाद पता चला की राम गोपाल की मौत हो चुकी है।उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा मेमो नगर कोतवाली पुलिस को भिजवाया गया है।वहीं घायल विजय गुप्ता को हालत गंभीर होने के चलते लखनऊ रेफर किया गया है और प्राथमिक उपचार के बाद बब्लू जायसवाल को छुट्टी दे दी गई।

भारतीय पर्वतीय महासभा द्वारा मनाया गया गणतंत्र दिवस बांटे गए मास्क एवं कंबल

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर तहसील संवाददाता)भारतीय पर्वतीय महासभा द्वारा गणतंत्र दिवस की वर्षगांठ महासभा के प्रधान कार्यालय पंतनगर कॉलोनी खुर्रम नगर में मनाया गई। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी के डालाकोटी कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया एवं सभा को संबोधित किया । महासभा के मुख्य संयोजक श्री ललित मोहन जोशी ने बताया आज का दिन इसलिए बहुत खास है क्योंकि देश आजादी की क्षेत्र भी वर्षगांठ को आजादी का अमृत महोत्सव के तौर पर मना रहे हैं।महासभा के मुख्य संरक्षक श्री पान सिंह भंडारी ने बताया कि देश में आज जश्न का माहौल है भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था उसी दिन की याद में हर साल हिंदुस्तान में 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है यदि हमें महात्मा गांधी भगत सिंह नेताजी सुभाष चंद्र बोस चंद्रशेखर आजाद समेत सैकड़ों महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग तपस्या और बलिदान की याद दिलाता है, इस अवसर पर महासभा द्वारा क्षेत्र के लोगों को मास्क एवं सभी जरूरतमंदों को कंबल का वितरण भी किया।महासभा के राष्ट्रीय महासचिव श्री अनुपम सिंह भंडारी ने बताया गणतंत्र दिवस केवल एक दिन विशेष नहीं बल्कि, देश के उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमारे सम्मान को प्रदर्शित करने का जरिया भी है जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व त्याग दिया था. ये दिन राष्ट्र के प्रति अपनी एकजुटता और निष्ठा दिखने का दिन भी है. साथ ही ये पावन अवसर युवा पीढ़ी को राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करता है. राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और देशभक्ति का महत्व समझने के लिए ये गणतंत्र दिवस हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।इस कार्यक्रम में दिनेश उपरेती, अमित पांडे ,अभिनव सिंह भंडारी, गिरीश जोशी ,ललित जोशी, डॉ स्वाति भंडारी किशन, लक्ष्मण सिंह शाह, पायल, ललित जोशी ,श्रीमती कमला भंडारी, श्रीमती चंपा नेगी ,श्रीमती माया जोशी आदि बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया।

भाजपा ने फिर जताया योगी सरकार के मंत्रियों पर भरोसा : पांच मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा

गोरखपुर ब्यूरो : भारतीय जनता पार्टी ने योगी सरकार के कैबिनेट व राज्य मंत्रियों पर फिर भरोसा जताया है। गोरखपुर–बस्ती मंडल से आने वाले ज्यादातर मंत्रियों को परंपरागत सीटों से चुनाव मैदान में उतारा गया है। संतकबीरनगर की धनघटा सीट से विधायक व मंत्री श्रीराम चौहान की सीट बदली गई है। श्रीराम अब खजनी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। यह सीट 2012 से ही भाजपा के पास है। गोरखपुर–बस्ती मंडल की 41 विधानसभा सीटों के चुनाव छठवें चरण में तीन मार्च को होंगे। इससे पहले चार से 11 फरवरी तक नामांकन प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। अब तक 25 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। कुछ सीटें सहयोगी दल निषाद पार्टी व अपना दल एस के खाते में जा सकती हैं। लिहाजा, बाकी बची कई सीटों के लिए मंथन जारी है। शुक्रवार को जो सूची आई है, उसमें भाजपा के कई दिग्गजों के नाम हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पर पार्टी ने फिर भरोसा जताया है। वह अपनी परंपरागत सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह भी अपनी परंपरागत सीट से चुनाव लड़ेंगे। जय प्रताप नौंवी बार चुनाव मैदान में होंगे। सात बार चुनाव जीते थे। एक बार हार का सामना करना पड़ा था। इन मंत्रियों को मिला टिकट देवरिया की पथरदेवा सीट से कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही देवरिया की रुद्रपुर सीट से मंत्री जय प्रकाश निषाद सिद्धार्थनगर की बांसी सीट से स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से बेसिक शिक्षामंत्री डॉ. सतीश चंद द्विवेदी गोरखपुर की खजनी (सुरक्षित) सीट से श्रीराम चौहान गोरखपुर–बस्ती मंडल: अब तक नौ विधायकों के टिकट कटे, एक ने पार्टी छोड़ी भाजपा ने गोरखपुर–बस्ती मंडल की 41 में से 25 सीटों के प्रत्याशी तय कर दिए हैं। कुछ सीटें सहयोगी दल निषाद पार्टी व अपना दल के खाते में जा सकती हैं। भाजपा ने जो टिकट दिए हैं, उसके मुताबिक नौ विधायकों के टिकट काटे गए हैं। एक विधायक ने सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। गोरखपुर में विधायक डॉ आरएमडी अग्रवाल, शीतल पांडेय और संत प्रसाद के टिकट कटे हैं। इसी तरह कुशीनगर में रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पवन केडिया व गंगा सिंह कुशवाहा के टिकट काटे गए हैं। हालांकि, गंगा सिंह कुशवाहा की उम्र ज्यादा हो गई थी। लिहाजा, पार्टी ने गंगा के बेटे सुरेंद्र कुशवाहा को फाजिलनगर सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। देवरिया के भी तीन विधायकों के टिकट काटे गए हैं। उपचुनाव जीतकर विधायक बने डॉ. सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी, सरकार व संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े

करने वाले विधायक सुरेश तिवारी और कमलेश शुक्ला को टिकट नहीं मिला है। इनकी जगह समान जाति के प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा गया है। खलीलाबाद से भाजपा विधायक जय चौबे पहले ही सपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। इस सीट से अंकुरराज तिवारी को चुनाव मैदान में उतारा गया है। जातीय व सामाजिक समीकरण भी साधा सात जिलों के प्रत्याशियों की सूची से जातीय व सामाजिक समीकरण भी साधा गया है। अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति व ब्राह्मणों को और ज्यादा जोड़ने का प्रयास किया गया है। वैश्य व क्षत्रियों को भी प्रतिनिधित्व मिला है। गोरखपुर की घोषित सात सीट के प्रत्याशियों में से दो पर ब्राह्मण उतारे गए हैं। देवरिया में भी ब्राह्मण प्रत्याशियों की संख्या अच्छी है। संगठन को तरजीह टिकट बंटवारे में संगठन को भी तरजीह दी गई है। भाजपा गोरखपुर क्षेत्र की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी में से तीन पदाधिकारियों को विधानसभा क्षेत्रों का प्रत्याशी बनाया गया है। सहजनवां विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए गए प्रदीप शुक्ला क्षेत्रीय महामंत्री हैं। कुशीनगर से चुनाव मैदान में उतारे गए पीएन पाठक भी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। क्षेत्रीय मंत्री मंजू सरोज को आजमगढ़ की मेंहनगर (सुरक्षित) विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। नए चेहरे पर भरोसा भाजपा ने नए चेहरों पर भी भरोसा जताया है। संतकबीरनगर के दोनों प्रत्याशी पहली बार चुनाव मैदान में उतारे गए हैं। गोरखपुर में प्रदीप शुक्ला को पहली बार मौका मिला है। इसी तरह देवरिया में शलभमणि त्रिपाठी, दीपक मिश्र शाका व सुरेंद्र चौरसिया पहली बार चुनाव लड़ेंगे। कुशीनगर के पीएन पाठक, सुरेंद्र कुशवाहा और मोहन वर्मा भी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इन विधायकों पर भरोसा कायम गोरखपुर कैंपियरगंज से फतेहबहादुर सिंह बांसगांव से डॉ विमलेश पासवान पिपराइच से महेंद्रपाल सिंह बस्ती सदर से दयाराम चौधरी हर्रैया से अजय कुमार सिंह कप्तानगंज से सीए चंद्रप्रकाश शुक्ला महादेवा सुरक्षित रवि सोनकर देवरिया पथरदेवा से सूर्य प्रताप शाही रुद्रपुर से जय प्रकाश निषाद सिद्धार्थनगर बांसी से जय प्रताप सिंह इटवा से डॉ. सतीश चंद द्विवेदी डुमरियागंज से राघवेंद्र प्रताप सिंह कपिलवस्तु से श्याम धनी राही महराजगंज फरेंदा से बजरंग बहादुर सिंह पनियरा से ज्ञानेंद्र सिंह सैंथवार भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह टिकट बंटवारे में सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा गया है। जनता की पसंद के हिसाब से प्रत्याशी बनाए गए हैं। विकास के एजेंडे के साथ चुनाव मैदान में हैं। 2017 से बड़ी जीत मिलेगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री से मांग की है कि बजट में आयकर सीमा बढ़ाकर 10 लाख की जाए

लखनऊ ब्यूरो : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ)के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी मिश्र ने वित्त मंत्री भारत सरकार को पत्र भेजकर मांग की है कि केंद्रीय बजट में आयकर सीमा बढ़ाकर 10 लाख की जाए तथा पुरानी पेंशन की बहाली एवं फ्रीज महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाए क्योंकि देश भर के कर्मचारी अत्यधिक नाराज एवं आक्रोशित हैं। श्री मिश्र ने कहा है कि सभी सरकारी कार्य करने वाले कर्मचारियों की कठिनाइयों को भी ध्यान देना चाहिए। सरकार के हर संकट में कर्मचारी पूरा साथ देता है । श्री प्रेमचंद महासचिव ने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि आउटसोर्सिंगध संविदा कर्मचारियों के लिए एक नीति बनाये जिससे उनकी सुरक्षा हो सके तथा उनका शोषण बंद हो। इप्सेफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके भदौरिया, शशि कुमार मिश्र एवं अतुल मिश्रा राष्ट्रीय सचिव ने वित्त मंत्री से मांग की है कि देशभर के कर्मचारियों के लिए एक देश एक वेतन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई जाए। जिससे राज्यों के सभी कर्मचारी को एक समान वेतन ,भत्ते एवं अन्य सुविधाएं मिल सके। इन नेताओं ने बताया कि राज्यों में अलग वेतन भत्ते एवं सुविधाएं मिल रही हैं जिससे उनका शोषण होता है। इप्सेफ के नेताओं ने प्रधानमंत्री जी से भी कर्मचारियों की पीड़ा को समझने का आग्रह किया है।

शादी में खाने के दौरान जमकर हुई मारपीट : वजह जानकार हो जाएंगे हैरान

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के लहसड़ी में बृहस्पतिवार की रात शादी समारोह में मारपीट हो गई। घरातियों व बारातियों में लाठी व डंडे चले, जिसमें तीन लोग चोटिल हो गए। आरोप है कि एक पक्ष ने दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की थी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि फायरिंग की बात झूठी है। मारपीट हुई है, पांच लोग हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस ने मामले को शांत कराकर शादी संपन्न कराई। जानकारी के मुताबिक, लहसड़ी निवासी शिवकुमार निषाद के बड़े भाई राजू निषाद की कुछ वर्ष पहले मौत हो गई थी। बृहस्पतिवार की रात राजू की बेटी की शादी थी। बारात चिलुआताल के मोहरीपुर से आई थी। पहले डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ। फिर रात 11 बजे एक बराती युवक खाना खा रहा था। किसी घराती को शक हुआ कि वह बाहरी है, उसने मफलर उतारकर खाना खाने को कह दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया और देखते ही देखते दोनों तरफ से लाठी डंडे चलने लगे। इस दौरान एक बराती ने फायरिंग करने की बात बोल दी। यह सुनकर किसी ने पुलिस को मारपीट में फायरिंग की सूचना दी। चौकी इंचार्ज आजाद नगर पुरुषोत्तम आनंद सिंह ने बताया कि खाना खाने के विवाद में घरातियों व बरातियों में मारपीट हुई है। फायरिंग की बात गलत निकली है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है।

हॉस्पिटल के बाहर तीमारदार और गार्ड से हुई मारपीट : हेलमेट चोरी होने की आशंका पर हुआ बवाल

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले में गुलरिहा इलाके के मोगलहा में स्थित एक हॉस्पिटल के बाहर गार्ड और तीमारदार के बीच शुक्रवार को मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उधर, पुलिस का कहना है इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। जानकारी के मुताबिक, गुलरिहा के सेमरा नंबर 2 निवासी शैलेंद्र श्रीवास्तव पत्नी के साथ शुक्रवार की रात आठ बजे बाइक से दवा लेने हॉस्पिटल गए थे। बाइक हॉस्पिटल के सामने खड़ी कर हेलमेट बाइक में लगाकर दवा लेने चले गए। थोड़ी देर बाद वापस आए तो हेलमेट गायब था। उन्होंने गार्ड के ऊपर हेलमेट चोरी का आरोप लगा दिया। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने डंडे से तीमारदार की पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गए। गुलरिहा पुलिस ने घायल को उसी हॉस्पिटल में ही भर्ती कराया। थाना प्रभारी गुलरिहा अमित कुमार दुबे का कहना है कि जब हम पहुंचे तो गार्ड मौके पर नहीं मिला। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है, अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। मनबढ़ों ने युवक को दौड़ाकर पीटा गोरखपुर कैंट इलाके के कूड़ाघाट आवास विकास कॉलोनी में एक युवक को बृहस्पतिवार की रात मनबढ़ों ने दौड़ा कर पीटा। बचने के लिए वह एक घर में घुस गया तो बाहर निकालकर उसकी पिटाई की गई।

बाद में मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर बीच बचाव किए। आरोप एक भाजपा नेता के भाई और उसके साथियों पर है। पुलिस ने शिकायत के बाद भाजपा नेता के भाई समेत चार का शांतिभंग में चालान किया। साथ ही उन्हें पाबंद भी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, आवास विकास कॉलोनी निवासी श्रीकृष्ण त्रिपाठी ने पुलिस को दिए तहरीर में लिखा है कि 15 लोग एक युवक को पीट रहे थे। मेरे घर का दरवाजा खुला था। इस दौरान मार खा रहा युवक घर में घुस गया। पीछे से हमलावर भी जबरन आ गए। हमलावरों ने इस दौरान उसे बाहर निकालकर फिर पीटा। भीड़ के एकत्र होने पर बीच बचाव किया गया। चौकी इंचार्ज अमित कुमार चौधरी ने बताया कि मारपीट हुई थी। चार लोगों का शांति भंग में चालान किया गया है।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।